डिजिटल संध्या हिन्दी दैनिक

संथाल संध्या

शुक्रवार 30 मई, 2025 | वर्ष- 1 | अंक :72 | पृष्ठ 8

अब आदिवासी की आवाज सदन तक

Regno-T/JH/2025/0508/9358/1318 | संपर्क नंबर: 9800993294,9334344989 | Email: santhalsandhya@gmail.com

आतंकवाद हो या नक्सलवाद, अब माफी नहीं सीधा जवाब मिलेगा: प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के काराकाट में आयोजित जनसभा में देश की सुरक्षा, बिहार के विकास और पिछली सरकार की नीतियों पर खुल कर हमला बोला। आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ सरकार की निर्णायक रणनीति का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई न रुकी है, न थमी है। आतंक का फन अगर फिर उठेगा, तो भारत उसे बिल से खींच कर कुचल देगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार के लोग इस बदलाव के गवाह हैं कि कैसे नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति लौट रही है। कभी जिन गांवों में स्कूल जलाए जाते थे, सड़क बनाने वालों को मारा जाता था, आज वहां सड़क भी है, अस्पताल भी है और मोबाइल टावर भी खड़े हैं। उन्होंने विकसित भारत के लिए विकसित बिहार को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि 2014 में जब एनडीए सरकार केंद्र की सत्ता में आई थी, तब भारत में 125 नक्सल प्रभावित जिले थे, अब इनकी संख्या घटकर केवल 18 रह गई है। प्रधानमंत्री ने

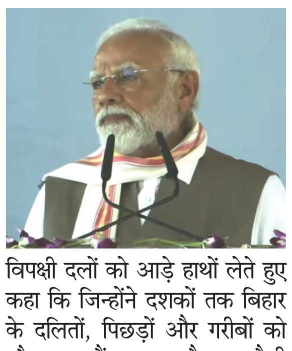

विपक्षी दलों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जिन्होंने दशकों तक बिहार के दलितों, पिछड़ों और गरीबों को शौचालय, बैंक खाता और छत जैसी बुनियादी जरूरतों से वंचित रखा, वे आज सामाजिक न्याय की बातें कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दलों ने सिर्फ वोटबैंक की राजनीति की, जबकि एनडीए सरकार ने सभी जरूरतमंदों तक सुविधाएं पहुंचाईं। उन्होंने कहा कि पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का लोकार्पण किया जा चुका है, जो अब सालाना एक करोड़ यात्रियों को संभाल सकेगा। बिहटा एयरपोर्ट पर भी 1,400 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। बिहार के मखाना किसानों के लिए मखाना बोर्ड की स्थापना और जीआई टैग की सुविधा को भी सरकार की बड़ी उपलब्धियों में गिनाया।

पीएम मोदी को पटना में उड़ाने की धमकी वाला संदेश भेजने वाला गिरफ्तार

भागलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को दो दिवसीय बिहार दौरे पर गुरुवार को पटना पहुंचे। शुक्रवार को उनका रोहतास जिले के बिक्रमगंज में कार्यक्रम है। मोदी के पटना पहुंचने से पहले ही भागलपुर के पुलिस अधिकारियों को एक धमकी भरा मैसेज मिला। इसमें पीएम मोदी को पटना में उड़ाने की बात कही गई। यह मैसेज देख एक बार तो पुलिस अफसरों के होश उड़ गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे के दौरान उन्हें जान से मारने की धमकी भरा मैसेज मिलने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस अधिकारियों को मैसेज मिला कि मोदी पटना आ रहे हैं, वहीं उनको उड़ा दिया जाएगा। पीएम को जान से मार दिया जाएगा। मैसेज मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई। भागलपुर के सुल्तानगंज से धमकी भरा मैसेज भेजने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच में मामला कुछ और ही निकला। पुलिस ने तुरंत इस मामले पर ऐक्शन लिया। मैसेज भेजने वाले को ट्रेस किया गया। पता चला कि यह नंबर भागलपुर जिले में सुल्तानगंज के महेशी निवासी बुजुर्ग मंटू चौधरी के नाम पर रजिस्टर्ड है। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की, तो मामला स्पष्ट हो गया। पता चला कि बुजुर्ग के भतीजे ने ही अपने चाचा को फंसाने के लिए धमकी भरा फर्जी मैसेज भेज दिया था। दोनों के बीच जमीन को लेकर विवाद है।पुलिस ने भतीजे समीर कुमार रंजन को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने मैसेज भागलपुर एसएसपी के अलावा कई थानों की पुलिस को भेजा था। एसएसपी हृदय कांत ने बताया कि युवक ने चाचा को फंसाने के लिए मैसेज भेजा था।

पीएम मोदी आज जाएंगे भोपाल देवी अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जयंती समारोह में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मई को मध्य प्रदेश के भोपाल में लोकमाता देवी अहिल्या बाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में भाग लेंगे। इस अवसर पर, वे कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री लोकमाता देवी अहिल्या बाई पर एक स्मारक डाक टिकट और विशेष सिक्का जारी करेंगे। 300 रुपये का सिक्का अहिल्या बाई का चित्र प्रदर्शित करेगा। इसके अलावा, वे एक महिला कलाकार को राष्ट्रीय देवी अहिल्या बाई पुरस्कार प्रदान करेंगे, जिन्होंने जनजातीय, लोक और पारंपरिक कला में योगदान दिया है। प्रधानमंत्री शिप्रा नदी पर 860 करोड़ रुपये से अधिक की घाट निर्माण परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। ये परियोजनाएं 2028 में होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ से संबंधित हैं। वो दतिया और सतना हवाई अड्डों का उद्घाटन करेंगे। इससे उद्योग, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे।इसके साथ ही, इंदौर मेट्रो के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर यात्री सेवाएं भी शुरू होंगी। यह यातायात और प्रदूषण को कम करने में मदद करेगा।

शाह के दौरे के बीच कश्मीर में बड़ी कार्रवाई टेरर नेटवर्क पर सीआईके ने कसा शिकंजा

एजेंसी। पुंछ

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पुंछ में गोलाबारी से प्रभावित नागरिकों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और पाकिस्तान के कायराना हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि भारत की नीति स्पष्ट है, आतंकवाद का जवाब सटीक और कठोर तरीके से दिया जाएगा। पुंछ में लोगों को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, कि पाकिस्तान ने निर्दोष नागरिकों और धार्मिक स्थलों पर हमला किया। इस हमले में कई लोग हताहत हुए हैं, और यह भारत की आत्मा पर प्रहार था। मगर भारत ने पहली बार पीओके और पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त कर करारा जवाब दिया। गृह मंत्री शाह ने कहा कि भारत ने केवल आतंकियों पर हमला किया, लेकिन पाकिस्तान ने इसे अपने ऊपर हमला माना और दुनिया के सामने खुद को आतंकियों का संरक्षक साबित कर दिया। भारतीय सेना ने सटीकता से हमला कर पाकिस्तान के नौ हवाई अड्डों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे पाकिस्तान को पीछे हटना पड़ा।

पुंछ के नुकसान पर केंद्र गंभीर: केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने पुंछ में क्षतिग्रस्त घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों का जिक्र करते हुए कहा,

प्रभावितों से मिल कर बंधाया ढांढस

कि भारत सरकार जल्द ही प्रभावित व्यवसायों के लिए राहत पैकेज लाएगी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का विकास न थमेगा, न रुकेगा। 2014 के बाद जिस गति से विकास हुआ है, वही रफ्तार आगे भी कायम रहेगी।

सेना को किया सलाम : सेना को सलाम करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा, कि भारत की सेनाएं हर प्रकार की चुनौती से निपटने में सक्षम हैं। यदि दुश्मन फिर से आतंक का फन उठाने की कोशिश करेगा, तो भारत उसे कुचलने में देर नहीं करेगा। देश की जनता, सरकार और सेना चट्टान की तरह एकजुट हैं। गृह मंत्री शाह के दौरे और वक्तव्य से साफ है कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर कायम है। पुंछ के लोगों के जज्बे और धैर्य की तारीफ करते हुए शाह ने भरोसा दिलाया कि सरकार उनके पुनर्वास और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

गृह मंत्री की उच्चस्तरीय सुरक्षा बैठक : अमित शाह के दौरे को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद बेहद अहम माना जा रहा है। राजभवन पहुंचने के तुरंत बाद उन्होंने जम्मू-कश्मीर की समग्र सुरक्षा स्थिति और आतंकवाद रोधी अभियानों को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

सुरक्षा एजेंसियां सतर्क : इन कार्रवाइयों से साफ है कि केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन आतंकवाद और उसके नेटवर्क के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी बरतने के मूड में नहीं है। घाटी में चल रहे इन समन्वित अभियानों का उद्देश्य अमरनाथ यात्रा से पहले क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित बनाना और आम नागरिकों में विश्वास कायम करना है।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट को मिले तीन नए जज चीफ जस्टिस गवई ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली। भारत के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने शुक्रवार को जस्टिस एन वी अंजनिया, जस्टिस विजय बिश्नोई और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। इसके बाद अब सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 34 हो गई है। बता दें 29 मई को सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने इन तीनों जजों की नियुक्ति की सिफारिश की थी, जिसे बाद में केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी थी। इस संबंध में केंद्र सरकार की तरफ से अधिसूचना भी जारी की गई थी। न्यायमूर्ति एन वी अंजनिया पूर्व में कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे। न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई पूर्व में गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर पूर्व में बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायाधीश थे। जस्टिस अंजनिया का कार्यकाल 23 मार्च 2030 तक रहेगा जस्टिस बिश्नोई का कार्यकाल 25 मार्च 2029 तक और जस्टिस चंदुरकर का कार्यकाल 7 अप्रैल, 2030 तक रहेगा। न्यायमूर्ति अंजनिया का जन्म 23 मार्च, 1965 को अहमदाबाद में हुआ। उन्होंने 1989 में यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ, अहमदाबाद से कानून में मास्टर डिग्री हासिल की थी। उन्होंने 1988 में गुजरात हाईकोर्ट में अपने वकालत के करियर की शुरुआत की। न्यायमूर्ति अंजनिया ने 25 फरवरी, 2024 को कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। इससे पहले उन्हें 21 नवंबर, 2011 को गुजरात हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था।

पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके से गिरी बिल्डिंग, 5 की मौत, कईयों के दबे होने की आशंका

चंडीगढ़। पंजाब के मुक्तसर जिले में बड़ा हादसा हो गया है। खबर है कि एक पटाखा निर्माण इकाई की इमारत ढह गई है, जिसमें पांच मजदूरों की मौत हो गई है। यह हादसा धमाके के चलते हुआ था। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि मलबे में कई और लोग दबे हो सकते हैं। राहत कार्य भी शुरू कर दिया गया है। मुक्तसर एसएसपी अखिल चौधरी ने कहा है कि मलबे से दो शव निकाले गए हैं और घायलों को बचाने की कोशिश लगातार की जा रही है। खबर है कि एम्स यानी ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बठिंडा में करीब 20 मजदूरों को भर्ती कराया गया है। इसके अलावा मुक्तसर के कुछ अस्पतालों में भी मजदूरों के इलाज चल रहा है। एसएसपी ने कहा, शुरुआती जानकारी से पता चला है कि धमाका पटाखा निर्माण क्षेत्र में अज्ञात कारणों से हुआ था, जिसके कारण इमारत ढह गई। प्रथम दृष्टया लग रहा है कि मौतों फैक्ट्री ढांचा गिरने की वजह से हुई हैं ना कि आग के चलते। वहीं सूत्रों ने बताया कि घटना रात करीब 2 बजे घटी। हरियाणा राज्य की सीमा पर स्थित इस यूनिट में कर्मचारी पटाखा बनाने और उनकी पैकेजिंग का काम कर रहे थे। खास बात है कि इनमें से अधिकांश अप्रवासी हैं। जिला प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

नक्सली हिडमा एके-47 के साथ गिरफ्तार

पुलिस ने ओडिशा से किया गिरफ्तार, 5 लाख का इनामी

एजेंसी। जगदलपुर

ओडिशा में कोरापुट पुलिस ने एके-47 हथियार के साथ नक्सली कुंजाम हिडमा को गिरफ्तार किया है। यह एसीएम कैडर का नक्सली है। जिस पर करीब 5 लाख रुपए का इनाम घोषित है। ओडिशा पुलिस ने हिडमा के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामान भी बरामद किया है। दरअसल, ओडिशा पुलिस ने छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के ट्राई जंक्शन में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन लॉन्च किया था। पुलिस जंगलों में सर्च ऑपरेशन चला रही थी। इसी दौरान एक युवक ने पुलिस को देख भागने की कोशिश किया। वो जंगल में जाकर छिप गया था। जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। उसके पास से एके-47 समेत अन्य विस्फोटक सामान मिला। पुलिस

ने उसकी पहचान कुंजाम माड़वी हिडमा उर्फ मोहन के रूप में की है। जो कि छ्त्र के बीजापुर जिले का रहने वाला है। कई सालों से नक्सल संगठन के साथ जुडक़र काम कर रहा था। ओडिशा और छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर हुई कई वारदातों में शामिल था। पुलिस इससे पूछताछ कर रही है। जिसमें कई खुलासे होने की संभावना है।

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन 'सिंदूर' अपनी शर्तों पर रोका : राजनाथ

एजेंसी। नई दिल्ली

- रक्षा मंत्री ने आईएनएस विक्रांत पर सवार नौसैनिकों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीन डिफेंस पीएसयू को दिया मिनीरत्न का दर्जा

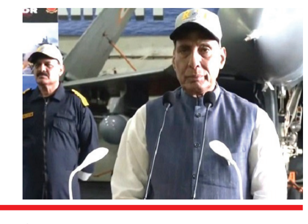

दो दिनों की गोवा यात्रा पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आईएनएस विक्रांत पर सवार भारत के बहादुर नौसैनिकों के साथ बातचीत करके उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि जब तक राष्ट्र की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा आपके मजबूत हाथों में है, तब तक भारत को कोई तिरछी निगाहों से देख नहीं सकता। उन्होंने पहली बार खुलासा किया कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन 'सिंदूर' अपनी शर्तों पर रोका है, किसी के दबाव में नहीं। ऑपरेशन के दौरान भारतीय सेनाओं ने न केवल आतंकवादियों बल्कि उन्हें पालने-पोसने वाले सरपरस्तों को भी स्पष्ट संदेश दे दिया है कि भारत अब सहन नहीं करता, बल्कि अब सीधा जवाब देता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों को ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए हमने महज कुछ ही समय में पाकिस्तान के आतंकी अड्डे और उसके इरादों को ध्वस्त कर दिया। हमारा प्रहार इतना तगड़ा था कि पाकिस्तान पूरी दुनिया से भारत को रोकने की गुहार लगाने लग गया। अंत में हमने अपनी शर्तों पर, मैं फिर दोहरा रहा हूं कि हमने अपनी शर्तों पर अपने सैन्य एक्शन को रोका है। अभी तो हमारी सेनाओं ने अपनी आस्तीनें पूरी मोड़ी भी नहीं थी, अभी तो हमने अपना पराक्रम दिखाना शुरू भी नहीं किया था। इस पूरे एकीकृत ऑपरेशन में नौसेना की भूमिका गौरवशाली रही है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के दौरान अरब सागर में आपकी आक्रामक भूमिका, बेजोड़ समुद्री डोमेन जागरुकता और समुद्री वर्चस्व ने पाकिस्तानी नेवी को उसके ही तटों के पास सीमित कर दिया। वे खुले समुद्र में आने का साहस तक नहीं जुटा सके। समुद्र में हमारे पश्चिमी बेड़े के जहाजों ने आतंकवादी हमले के 96 घंटे के भीतर पश्चिमी और पूर्वी तट पर सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और टॉरपीडो से कई सफल फायरिंग की, जो प्लेटफॉर्म, सिस्टम और चालक दल की युद्ध तत्परता को दिखाता है।

भाजपा का कांग्रेस पर हमला- ऑपरेशन सिंदूर से 'सबूत गैंग' खुश नहीं

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विवादित टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जयराम रमेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी घिरते नजर आ रहे हैं। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि पहले दिन से राहुल गांधी, जयराम रमेश और उनके लोगों ने भारतीय सेना, भारत के शौर्य पर सवाल उठाया, ये 'सबूत गैंग' खुश नहीं है। संबित पात्रा शुक्रवार को नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि जयराम रमेश ने अपने बयान में कहा कि यहां आतंकवादी घूम रहे हैं, वहां सांसद घूम रहे हैं। एक ही सांस में आपने सांसदों और आतंकवादियों को समान कर दिया? सांसद घूमने नहीं गए हैं, वे भारत के पक्ष को विश्व के सामने रखने गए हैं, उसमें आपके भी सांसद हैं। अमेरिका के एक बड़े मिलिट्री एक्सपर्ट जॉन स्पेंसर के एक आलेख का हवाला देते हुए संबित पात्रा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से हराया, बल्कि एक बड़ी तकनीकी जीत भी हासिल की, क्योंकि पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर चीन के प्रॉक्सी के रूप में काम किया, जो चीनी प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर था।

आतंकियों की मौत पर आंसू बहाने वाले कोलंबिया को शशि थरूर ने खूब सुनाई खरी-खरी

बोगोटा। पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों को ध्वस्त करने वाला भारत का ऑपरेशन सिंदूर आज पूरी दुनिया में चर्चित है। इस ऑपरेशन में करीब 100 आतंकी

ढेर हुए थे। इस पर कोलंबिया ने आंसू बहाते हुए दुख जताया था। भारत सरकार और कांग्रेस सांसद शशि थरूर को यह बात नागवार गुजरी। शुक्रवार को जब थरूर भारती सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए कोलंबिया में अपनी बात रख रहे थे तो उन्होंने आतंकियों के लिए शोक जताने को लेकर नाराजगी जताई और खरी-खरी सुना दी। थरूर इस समय पांच देशों के दौरे पर एक सर्वदलीय डेलिगेशन का नेतृत्व कर रहे हैं। कोलंबिया की राजधानी बोगोटा में मीडिया को संबोधित करते हुए थरूर ने कहा, हम कोलंबिया सरकार की प्रतिक्रिया से थोड़े निराश हैं। उन्होंने पाकिस्तान में मारे गए आतंकवादियों को लेकर शोक जताया था। लेकिन आतंकवाद से पीड़ित लोगों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं दिखाई। उन्होंने जोर देकर कहा, जो आतंकियों को भेजते हैं और जो उनका मुकाबला करते हैं, उनके बीच कोई नैतिक समानता नहीं हो सकती। हम केवल आत्मरक्षा का अधिकार निभा रहे हैं। अगर यहां इस मुद्दे पर कोई गलतफहमी है, तो हम उसे दूर करने आए हैं। थरूर ने आगे कहा कि भारत की कार्रवाई पूरी तरह रक्षात्मक और वैध थी।

मौलाना अरशद मदनी की अपील, बकरीद पर प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी और वीडियो साझा करने से बचें

एजेंसी। नई दिल्ली

ईद-उल-अज़्हा के मौके पर भारत के मुसलमानों के नाम अपने एक संदेश में जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा है कि इस्लाम में क़ुर्बानी का कोई विकल्प नहीं है, यह एक धार्मिक कर्तव्य है जिसकी अदायगी हर सक्षम मुसलमान पर वाजिब है। इसलिए जिस व्यक्ति पर क़ुर्बानी वाजिब है, उसे हर हाल में यह फर्ज़ अदा करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान हालात के मद्देनज़र मुसलमानों से कई तरह कीसावधानी बरतने की भी अपील की है। मौलाना मदनी ने यह भी सलाह दी कि मुसलमान क़ुर्बानी करते समय सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। प्रतिबंधित जानवरों की क़ुरबानी से बचें। चूंकि, धर्म में इसके

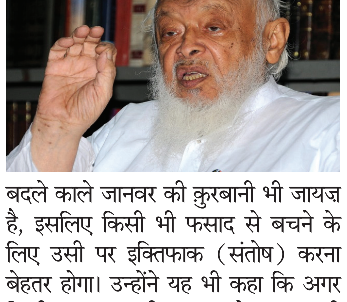

बदले काले जानवर की क़ुरबानी भी जायज़ है, इसलिए किसी भी फसाद से बचने के लिए उसी पर इक्तिफाक (संतोष) करना बेहतर होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी जगह शरारती तत्व काले जानवर की क़ुरबानी से भी रोकते हैं, तो समझदार और प्रभावशाली लोगों के माध्यम से स्थानीय प्रशासन को विश्वास में लेकर क़ुर्बानी की जाए। अगर फिर भी, ख़ुदा न ख़्वास्ता, इस धार्मिक फर्ज़ की अदायगी का कोई रास्ता न निकले तो पास के किसी ऐसे इलाक़े में क़ुर्बानी कर दी जाए, जहां कोई परेशानी न हो। हालांकि, जहां पर क़ुर्बानी होती आई है और इस समय परेशानी है, वहां कम से कम बकरे की क़ुर्बानी ज़रूर की जाए और उसकी सूचना प्रशासनिक दफ्तर में दर्ज करा दी जाए ताकि भविष्य में कोई समस्या न हो। जमीअत अध्यक्ष ने देश के मुसलमानों को ईद-उल-अज़्हा के मौके पर साफ़-सफ़ाई का ख़ास ध्यान रखने की अपील करते हुए कहा कि जानवरों के अवशेषों को सड़कों, गलियों और नालियों में न फेंकें, बल्कि इस तरह से दफ़न किया जाए कि बदबू न फैले। हर मुमकिन कोशिश की जाए कि हमारी किसी हरकत से किसी को तकलीफ न पहुंचे। साम्प्रदायिक तत्वों की ओर से किसी भी तरह की उकसावे वाली कार्रवाई पर सब्र और संयम का प्रदर्शन करते हुए, मामले की शिकायत स्थानीय थाने में ज़रूर दर्ज करा दें।

दैनिक संध्या न्यूज़पेपर

(आवश्यकता)

संथाल संध्या

सभी जिले में ब्यूरो चीफ की आवश्यकता

पाकुड़, साहिबगंज ,देवघर, जामताड़ा, धनबाद, गोड्डा, कोडरमा, रामगढ़, गिरिडीह

इच्छुक व्यक्ति नीचे दिए गए संपर्क नंबर पर संपर्क

9800993294 , 9334344989

संक्षिप्त समाचार

बोरियो में फोटो स्टेट दुकान में चोरी की घटना

साहिबगंज/बोरियो :- मुख्य सड़क स्थित एरोलाइट फोटो स्टेट दुकान में गुरुवार की रात्रि को अज्ञात चोरों ने सीढ़ी पर चढ़कर वेंटीलेटर एवं दरवाजा की कड़ी तोड़कर हजारों रुपए की चोरी कर ली। इस घटना से बोरियो बाजार के दुकानदारों में भय का माहौल है और वे सहमे हुए हैं। एरोलाइट फोटो स्टेट दुकान के मालिक मो. इमरान अंसारी ने बताया कि रात में अज्ञात चोरों ने उनके दुकान के अंदर घुस कर लगभग छोटा टीन के बक्से में रखा करीब पांच हजार रुपए की चोरी कर ली। चोरी का पता उन्हें सुबह दुकान खोलने पर चला। इमरान ने बताया कि उसके भाई का पैसा चोर नहीं चुरा सके। चोरी की घटना से आक्रोशित दुकानदारों ने पुलिस से रात की पेट्रोलिंग गश्ती बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और आरोपियों को पकड़ने के प्रयास कर रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा और चोरी की गई राशि बरामद कर ली जाएगी। तब तक दुकानदारों को सतर्क रहने और अपनी दुकानों की सुरक्षा के लिए सलाह दी गई है।

साहिबगंज में अहिल्याबाई होल्कर की जीवनी पर कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज :- जिला भाजपा द्वारा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर राजमहल में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें भारत माता, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अहिल्याबाई होल्कर के चित्र में माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर वंदे मातरम गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष उज्जवल मंडल उपस्थित थे। उन्होंने अहिल्याबाई होल्कर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अहिल्याबाई ने समाज सेवा के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया था। उन्होंने समाज में विधवा महिलाओं की स्थिति पर खास काम किया और उनके लिए बनाए गए कानून में बदलाव भी किया। कार्यक्रम में ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री कृष्णा महतो, पूर्व जिलाध्यक्ष रणधीर सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, महिला मोर्चा के अध्यक्ष गरिमा साहा और समाजसेवी मधु मंडल ने अहिल्याबाई की जीवनी पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई ने अपने 30 वर्ष के कार्यकाल में पूरे भारतवर्ष में घूम-घूमकर मुगल द्वारा किए गए क्षतिग्रस्त शिव मंदिरों का निर्माण और जीर्णोद्धार करने का काम किया। कार्यक्रम में स्कूल के छात्र-छात्राओं के लिए चित्रांकन प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चित्रांकन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ग्रुप ए में रौनक कुमार यादव, द्वितीय स्थान कामना राय और तृतीय स्थान पलक आनंद ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में मंच संचालन भारतीय जनता पार्टी साहिबगंज जिला के जिला महामंत्री गौतम यादव ने किया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति और नगरवासी उपस्थित थे, जिनमें अनुराग, राहुल, अजय चौधरी, रेखा देवी, इंद्राणी साहा, सागर मंडल, पंकज घोष, लीला साहा, रिंकी साहा, संतोष यादव और बिंदेश्वरी यादव आदि शामिल थे।

डेढ़ साल बाद भी नहीं मिला बीमा राशि का भुगतान, पीड़िता ने उपयुक्त से लगाई मदद की गुहार

साहिबगंज/राजमहल :- थाना क्षेत्र अंतर्गत चंडीपुर निवासी मीरा देवी ने साहेबगंज उपयुक्त को आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई है। मीरा देवी के पति लक्ष्मी मंडल की मृत्यु 28 नवंबर 2023 को सांप काटने से हो गई थी। उनके पति ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में अपना बीमा कराया हुआ था, लेकिन डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी अभी तक बीमा राशि का भुगतान नहीं हुआ है। मीरा देवी ने आवेदन में उल्लेख किया है कि उनके पति लक्ष्मी मंडल और उनके नाम से संयुक्त बचत खाता संख्या 30719093157 एसबीआई की शाखा लालमाटी में संचालित है। इस खाते में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत उनके पति लक्ष्मी मंडल के नाम से 18 अगस्त 2023 को 20 रुपये काटे गए थे, जिससे दो लाख रुपये की बीमा की गई थी। मीरा देवी ने घटना के 28वें दिन 26 दिसंबर 2023 को एसबीआई की शाखा लालमाटी जाकर शाखा प्रबंधक रत्नेश नारायण के समक्ष सभी आवश्यक कागजात जमा करते हुए बीमा राशि भुगतान करने की दावा की थी। नियमानुसार बीमा कंपनी को दावा के 60 दिन के अंदर बीमा राशि का भुगतान करना था, लेकिन डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी अभी तक राशि का भुगतान नहीं किया गया है। मीरा देवी ने बताया कि वह कई बार बैंक का चक्कर लगाने पर इंश्योरेंस वालों ने करीब एक साल बाद 7 फरवरी 2025 को उनसे बैंक की ओर से मृतक का पोस्टमार्टम रिपोर्ट के स्थान पर विसरा रिपोर्ट मांगा गया है। विसरा रिपोर्ट के लिए उन्होंने मालदा सदर अस्पताल और इंग्लिश बाजार थाना का भी कई बार चक्कर लगा चुकी हैं, लेकिन थानाध्यक्ष का कहना है कि सर्प दंश से हुई मौत का कोई आपत्ति नहीं होने के कारण मृतक के शव का विसरा रिजर्व करके नहीं रखा गया है, जिससे विसरा रिपोर्ट मिलना संभव नहीं है। मीरा देवी ने उपयुक्त से अनुरोध किया है कि वे इस मामले में हस्तक्षेप कर उन्हें बीमा राशि का भुगतान दिलाने में मदद करें। उन्होंने बताया कि वे बैंक, सदर अस्पताल मालदा और इंग्लिश बाजार थाना के चक्कर लगा-लगाकर थक चुकी हैं और उन्हें बीमा राशि का भुगतान से वंचित रखा जा रहा है।

बड़हरवा: कुसमी ग्राम में नए ट्रांसफार्मर के उद्घाटन से ग्रामीणों में खुशी की लहर

साहिबगंज/बरहरवा :- प्रखंड के सातगाछी पंचायत के कुसमी ग्राम में कई दिनों से खराब ट्रांसफार्मर की समस्या का समाधान आखिरकार हो गया। ग्रामीणों ने जब इसकी जानकारी बरहरवा प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक दास को दी, तो उन्होंने तुरंत पाकुड़ विधायक निशात आलम को दूरभाष के माध्यम से ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी दी। पाकुड़ विधायक निशात आलम ने बिजली विभाग के संबंधित पदाधिकारी को कुसमी ग्राम में नए ट्रांसफार्मर लगाने का निर्देश दिया। आज 25 केवीएस के नए ट्रांसफार्मर का विधिवत उद्घाटन बरहरवा प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास ने फीता काटकर किया। ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए पाकुड़ विधायक निशात आलम और अशोक दास को धन्यवाद दिया। ग्रामीणों ने कहा कि नए ट्रांसफार्मर के लगने से उनके गांव में बिजली की समस्या दूर हो जाएगी और वे अपने दैनिक कार्यों को सुचारु रूप से कर पाएंगे। इस अवसर पर तोहुर आलम, तारिकुल इस्लाम, सिराज, सफीकुल आदि ग्रामीण उपस्थित रहे। अशोक दास ने कहा कि वे ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि पाकुड़ विधायक निशात आलम के सहयोग से कुसमी ग्राम में नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया गया है, जिससे ग्रामीणों को काफी लाभ होगा।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर मॉडल कॉलेज में विचारोत्तेजक कार्यक्रम

संथाल संध्या

साहिबगंज/राजमहल :- मॉडल कॉलेज, राजमहल में आज हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पत्रकारिता के मूल्यों, इतिहास, वर्तमान चुनौतियों और सामाजिक उत्तरदायित्व से अवगत कराना था। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. सिंह ने हिंदी पत्रकारिता के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को रेखांकित करते हुए बताया कि कैसे 1826 में 'उदंत मार्तंड' के प्रकाशन के साथ हिंदी पत्रकारिता की नींव पड़ी थी। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक सामाजिक न्याय, मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्राचार्य डॉ. सिंह ने वर्तमान समय में पत्रकारिता के बदलते स्वरूप और उसमें आ रहे व्यावसायिक प्रभावों पर चिंता जताते हुए कहा, "पत्रकारिता केवल सूचना देने का माध्यम नहीं, बल्कि यह समाज का मार्गदर्शक बनकर कार्य करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता सत्य, निष्पक्षता और समाजहित के मूल्यों को आत्मसात करे।" उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा और निष्पक्ष एवं स्वतंत्र पत्रकारिता को बढ़ावा देना होगा। कार्यक्रम को और अधिक सामयिक और संवेदनशील बनाते हुए, प्राचार्य डॉ. सिंह ने नशा मुक्ति की पूर्व संध्या पर विद्यार्थियों को विशेष संदेश भी दिया। उन्होंने कहा, "नशा केवल शरीर को नहीं, बल्कि युवा मन को भी खोखला कर देता है। यदि राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनाना है, तो हमें युवा पीढ़ी को नशे के दुष्परिणामों से बचाना होगा।" उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने जीवन में नशा मुक्त रहने की शपथ लें और अपने आसपास के समाज में भी जागरूकता फैलाएं।

हिंदी विभाग के प्रवक्ता डॉ. अमित कुमार ने पत्रकारिता और संप्रेषण के शैक्षणिक एवं व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पत्रकारिता को जनसंचार का प्रभावी माध्यम बताते हुए उसके दायित्वों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सेतु का कार्य करना चाहिए और उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाना चाहिए। डॉ. रमजान अली ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि "पत्रकारिता हमारे लोकतंत्र का अघोषित चौथा स्तंभ है। एक सजग और संवेदनशील पत्रकार समाज को दिशा देने में सक्षम होता है।" उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों में नैतिक मूल्यों और सामाजिक प्रतिबद्धता को सर्वोपरि रखें।

कार्यक्रम में दर्जनों छात्र-छात्राओं और कॉलेज के शिक्षकों व कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही। विचार-विमर्श और संवाद के इस मंच ने विद्यार्थियों को पत्रकारिता की वास्तविक भूमिका और जिम्मेदारी से भलीभांति परिचित कराया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने प्रश्नों और शंकाओं का समाधान भी प्राप्त किया और पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी रुचि को और अधिक बढ़ावा देने के लिए प्रेरित हुए।

उपायुक्त की अध्यक्षता में खेल एवं पर्यटन योजनाओं की समीक्षा

संथाल संध्या

साहिबगंज : - उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला कार्यालय प्रकोष्ठ में खेल एवं पर्यटन विभाग से संबंधित संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला क्रीड़ा पदाधिकारी द्वारा अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। उपायुक्त ने बैठक के दौरान कई अहम निर्देश जारी किए। उन्होंने अतिरिक्त डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र की आवश्यकता को देखते हुए पुनः विभाग को पत्राचार करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, साहेबगंज में आवासीय प्रशिक्षण केंद्र खोलने का प्रस्ताव भेजने का आदेश भी दिया गया।

उपायुक्त ने साहेबगंज एवं राजमहल अनुमंडल में खेल बैंक की स्थापना के बाद प्रशिक्षकों की नियुक्ति हेतु विभाग को पत्राचार का निर्देश जारी किया। उन्होंने सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, साहेबगंज के गैलरी विस्तार हेतु विभाग से पुनः पत्राचार करने तथा माघी मेला की राशि की मांग को लेकर भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों के सौंदर्यीकरण व उन्नयन के लिए अनाबद्ध निधि की मांग को आगामी जिला पर्यटन प्रोत्साहन समिति (DTPC) की बैठक में रखने और विभाग को प्रस्ताव भेजने को कहा। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों व शहीद सैनिकों की स्मृति में साहेबगंज मुख्यालय में "अमर जवान ज्योति स्थल" निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर उसे भी अगली DTPC बैठक में रखने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने ओझा टोली घाट (साहेबगंज) व गंगा घाट (राजमहल) पर रिवर फ्रंट विकास हेतु उपयुक्त काउंसल्टेंसी एजेंसी से संपर्क स्थापित कर प्रस्ताव तैयार करने का आदेश भी दिया। बैठक में जिला खेल पदाधिकारी पंकज झा समेत संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्त के निर्देशों के बाद जिले में खेल और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने की संभावना है।

उपायुक्त ने सुनी आम जनता की समस्याएँ, त्वरित कार्रवाई का दिया आश्वासन

संथाल संध्या

साहिबगंज :- उपायुक्त हेमंत सती ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आम जनों से सीधे संवाद स्थापित कर उनके मुद्दों को समझने और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार प्रयासरत होने का संदेश दिया। जनता दरबार में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी व्यक्तिगत, सामाजिक एवं प्रशासनिक समस्याओं को लेकर पहुंचे। उपायुक्त ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं का समाधान नियमानुसार शीघ्रता से किया जाएगा।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रशासन जनता के साथ खड़ा है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आम जनों की समस्याओं का समाधान करना है और इसके लिए वे हमेशा तत्पर हैं। उपायुक्त ने जनता दरबार में आए नागरिकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे समस्याओं का समाधान करने में किसी भी प्रकार की देरी न करें और नियमानुसार कार्रवाई करें। जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य आम जनों की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना है। उपायुक्त के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम से जिले के नागरिकों को अपनी समस्याओं को सीधे प्रशासन के सामने रखने का अवसर मिला। इससे नागरिकों को अपनी बात कहने का मौका मिला और प्रशासन को उनकी समस्याओं को समझने में मदद मिली। उपायुक्त ने जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों के निष्पादन के लिए एक समय सीमा निर्धारित की है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे शिकायतों का समाधान जल्द से जल्द करें और इसकी जानकारी उपायुक्त कार्यालय को दें। इससे नागरिकों को अपनी समस्याओं का समाधान करने में मदद मिलेगी और प्रशासन की जवाबदेही भी बढ़ेगी।

बीएसके कॉलेज बरहरवा में छात्रों ने परीक्षा सारणी में अनियमितता को लेकर सौंपा ज्ञापन

संथाल संध्या

साहिबगंज/बरहरवा :- बीएसके कॉलेज बरहरवा में आज छात्र नेता सोयेब अख्तर के नेतृत्व में महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा सिधु कान्हु विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में यूजी सेमेस्टर-1 सत्र 2024-28 NEP के परीक्षा सारणी में MDC-1 एवं बीएसी-1 के कुछ विषयों का उल्लेख नहीं होने को लेकर आपत्ति जताई गई है। ज्ञापन में बताया गया कि विगत 28 मई 2025 को यूजी सेमेस्टर-1 सत्र 2024-28 की परीक्षा सारणी जारी की गई है, जिसका Memo No.- SKMU/Exam/212/25 है। परंतु इसमें MDC-1 के कुछ विषयों जैसे Banking and Financial Services, Computer Applications, Management इत्यादि एवं VAC-1 के Health and Wellness Yoga Education विषय का उल्लेख नहीं है। इस कारण छात्र असमंजस एवं चिंतित हैं। एनएसयूआई ने परीक्षा नियंत्रक से अनुरोध किया है कि उपरोक्त विषयों को परीक्षा सारणी में जोड़ा जाए एवं रिवाइज परीक्षा सारणी पुनः प्रकाशित की जाए। सोयेब अख्तर ने बताया कि दो दिन बीत चुके हैं, परंतु विश्वविद्यालय को अपनी गलती का अहसास अब तक नहीं हो रहा है, जबकि इसकी सूचना विश्वविद्यालय को दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय केवल छात्रों को परेशान करने और मानसिक तनाव देने का कार्य करता है। ज्ञापन सौंपने के दौरान एनएसयूआई सदस्य सरफराज नवाज, बदल मुर्मू एवं कई विद्यार्थी उपस्थित थे। छात्रों का कहना है कि जब तक विश्वविद्यालय अपनी गलती को सुधार नहीं लेता, तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगे। सोयेब अख्तर ने कहा कि अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो छात्र मजबूर होकर उग्र आंदोलन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि वह तुरंत प्रभाव से परीक्षा सारणी में सुधार करे और छात्रों को राहत प्रदान करे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे, जिन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की।

जेएसएलपीएस का विशेष प्रचार अभियान: सखी मंडल की दीदियों को सोशल मीडिया से जोड़ने पर जोर

संथाल संध्या

साहिबगंज/बरहरवा:- झारखंड राज्य आजीविका मिशन (जेएसएलपीएस) के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स के प्रचार-प्रसार हेतु एक विशेष अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सखी मंडलों से जुड़ी प्रेरक कहानियों, सरकारी योजनाओं और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों को आम लोगों तक पहुँचाना है। कार्यक्रम के दौरान जेएसएलपीएस के फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही सखी मंडल की महिलाओं को बताया गया कि वे किस प्रकार इन माध्यमों से अन्य महिलाओं की प्रेरणादायक कहानियों से सीख ले सकती हैं और अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं।

प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक फैज आलम ने कहा कि जेएसएलपीएस के सोशल मीडिया चैनल्स पर जुड़ने से न केवल जानकारी मिलेगी, बल्कि यह एक ऐसा मंच भी है जहाँ महिलाएं अपनी सफलता की कहानियाँ साझा कर सकती हैं। इससे महिलाएं सरकार की हर पहल और प्रेरक कहानियों को एक क्लिक पर जान सकेंगी। यह अभियान "सशक्त महिला, समृद्ध झारखंड" के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर जिला प्रबंधक एफआई एच एन मिश्रा, सामुदायिक कैडर एवं दर्जनों सखी मंडल की महिलाएं उपस्थित थीं। सभी प्रतिभागियों को जेएसएलपीएस के सोशल मीडिया चैनल्स को फॉलो और सब्सक्राइब करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

साहिबगंज: गंगा कटाव रोधी कार्य में अनियमितता की शिकायत

संथाल संध्या

साहिबगंज/उधवा :- प्रखंड अंतर्गत पूर्वी प्राणपुर और श्रीघर कॉलोनी नंबर 10 के बीच चल रहे गंगा कटाव रोधी कार्य में भारी अनियमितता की शिकायतें सामने आई हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि जल संसाधन एवं गंगा पंप नहर विभाग द्वारा किए जा रहे कार्य के बावजूद गंगा नदी में हो रहे जबरदस्त कटाव को रोकने में कोई खास असर नहीं दिख रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 1200 मीटर लंबाई में कटाव निरोधक कार्य होना है, जिसमें से 14 ठक्कर बनाए जाने हैं। इनमें से 6 ठक्कर का कार्य चल रहा है, लेकिन लगभग 20% भाग फिर से कटकर गंगा नदी में समा चुका है। कटाव की वर्तमान स्थिति यह है कि दियारा का पूर्वी प्राणपुर एवं श्रीघर साहेब टोला गांव कटाव से महज 50 से 100 मीटर की दूरी पर है। इन दोनों गांवों के सैकड़ों परिवार के बीच भय और दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का मानना है कि यदि गंगा कटाव की रोकथाम सही तरीके से नहीं की गई, तो उन्हें सपरिवार पलायन करने को मजबूर होना पड़ेगा। इसके अलावा, हजार मीटर की दूरी के अंदर बसने वाले श्रीघर, पूर्वी प्राणपुर, पश्चिमी प्राणपुर, दक्षिण पालशगाछी और जीतनगर आदि गांव के अस्तित्व पर भी खतरा उत्पन्न हो जाएगा, जिससे लगभग 30,000 की आबादी प्रभावित होगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गंगा कटाव रोधी कार्य में सुधार किया जाए और उनकी सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

उपासना मरांडी की पहल से कसियाडांगा गांव में 24 घंटे में बहाल हुई बिजली

संथाल संध्या

पाकुड़/महेशपुर :- प्रखंड अंतर्गत खांपुर पंचायत के कसियाडांगा गांव में बिजली आपूर्ति की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की केंद्रीय समिति सदस्य उपासना मरांडी को एक आवेदन सौंपा। आवेदन में गांव में लंबे समय से खराब पड़े ट्रांसफार्मर की मरम्मती या बदली की मांग की गई थी। उपासना मरांडी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की। उन्होंने संबंधित विभाग से संपर्क स्थापित कर आवश्यक पहल की, जिसके फलस्वरूप 24 घंटे के अंदर गांव में नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। बिजली बहाली के बाद ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने उपासना मरांडी का हृदय से आभार व्यक्त किया और उनके इस सक्रिय प्रयास की सराहना की। मौके पर दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे, जिन्होंने इस पहल को ग्रामीण हित में एक बड़ा कदम बताया। ग्रामीणों ने उपासना मरांडी के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि उनकी पहल से गांव की बिजली समस्या का समाधान हुआ है। इससे ग्रामीणों को अपने दैनिक कार्यों में सुविधा होगी और वे अपने जीवन को बेहतर बना सकेंगे। उपासना मरांडी की इस पहल से ग्रामीणों में एक नई उम्मीद जगी है। इससे ग्रामीणों को यह संदेश मिला है कि उनकी समस्याओं को सुना जा रहा है और उनका समाधान किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों में एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। ग्रामीणों ने उपासना मरांडी से आगे भी इसी तरह की पहल की मांग की है। उन्होंने कहा कि उनकी समस्याओं का समाधान करने में उपासना मरांडी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। इससे ग्रामीणों को अपनी समस्याओं का समाधान करने में मदद मिलेगी।

साहिबगंज: मिर्जाचौकी गांव में सड़क और जल निकासी की समस्या से निजात की मांग

संथाल संध्या

साहिबगंज :- जिले के मंडरो प्रखंड अंतर्गत महादेवरण पंचायत के मिर्जाचौकी गांव के स्थानीय लोग वर्षों से सड़क की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। दुर्गासोरेन और उज्जवल भगत ने साहिबगंज उपायुक्त को पत्र लिखकर इस समस्या के समाधान की मांग की है। मिर्जाचौकी गांव की आबादी लगभग 1.5 लाख है, जिसमें से हजारों लोग प्रतिदिन मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन की ओर आवागमन करते हैं। विगत 12 वर्षों से गांव की सड़कों की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है। सड़कें पूरी तरह से टूटी-फूटी हैं और जलजमाव के कारण कीचड़ और गंदगी फैल जाती है। इसके अलावा, नालियों की हालत भी खराब है, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने उपायुक्त से जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार स्थानीय स्तर पर शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़कों की मरम्मत और जल निकासी की व्यवस्था की जाए, जिससे गांव के लोगों को राहत मिल सके। दुर्गासोरेन और उज्जवल भगत ने पत्र की प्रतिलिपि मुख्य सचिव रांची, उप विकास आयुक्त साहिबगंज, प्रखंड विकास पदाधिकारी साहिबगंज और पथ निर्माण विभाग पथ प्रमंडल को भी भेजी है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस समस्या का समाधान करने के लिए क्या कदम उठाता है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर शुभकामना संदेश

आज हिंदी पत्रकारिता दिवस के शुभ अवसर पर, मैं अपने सभी सम्मानित पाठकों, पत्रकार बंधुओं और मीडिया जगत से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। हिंदी पत्रकारिता का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है, और इसने समाज को जागरूक करने, जनमत तैयार करने और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हिंदी पत्रकारिता की नींव 1826 में 'उदंत मार्तंड' के प्रकाशन से पड़ी थी, और तब से लेकर आज तक, यह निरंतर विकास और विस्तार की राह पर अग्रसर है। हिंदी पत्रकारिता ने समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने, जनहित के मुद्दों को उठाने और सत्ता के गलियारों तक आवाज पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

आज के इस डिजिटल युग में, जहां सूचना का प्रवाह अत्यधिक तेज है, हिंदी पत्रकारिता ने अपनी प्रासंगिकता और महत्व को बनाए रखा है। पत्रकारिता की सच्चाई, निष्पक्षता और स्वतंत्रता को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है, ताकि हम समाज को सही दिशा में मार्गदर्शन कर सकें।

इस अवसर पर, मैं सभी पत्रकार बंधुओं को उनके अथक प्रयासों और समर्पण के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं आशा करता हूं कि हिंदी पत्रकारिता अपने उच्च आदर्शों और मूल्यों को बनाए रखते हुए, समाज की सेवा में निरंतर तत्पर रहेगी।

एक बार पुनः, हिंदी पत्रकारिता दिवस की शुभकामनाएं।

हिंदी दैनिक अखबार (संथाल संध्या) संपादक माइकल मरांडी

उपायुक्त ने फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल का किया निरीक्षण

संथाल संध्या

दुमका :- उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने शुक्रवार को फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न विभागों का जायजा लिया और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने सिविल सर्जन को मरीजों के परिजनों के बैठने की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्मी को देखते हुए पंखा लगवाने का भी निर्देश दिया। शिशु सुरक्षा योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत इलाज की प्रगति की जानकारी भी प्राप्त की। उपायुक्त ने ओपीडी संचालन की विस्तृत जानकारी ली और अस्पताल में विभागवार डॉक्टरों की संख्या एवं उपस्थिति की समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों के बेहतर ढंग से इलाज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डॉक्टर अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करें।

उपायुक्त ने अस्पताल प्रबंधक को पूरे अस्पताल की रूप-रेखा मैप के माध्यम से दर्शाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पूरे अस्पताल परिसर में माइकिंग सिस्टम अधिष्ठापित करें ताकि कोई जानकारी सभी लोगों से साझा की जा सके। इमरजेंसी वार्ड पहुंचने के लिए बड़े साइनेज लगवाए ताकि समय बचाते हुए मरीज को सीधा इमरजेंसी वार्ड में लाया जा सके। जहां तक एम्बुलेंस पहुंचती है उस जगह पर पांच ट्राली और व्हील चेयर हर समय मौजूद रहे। उपायुक्त ने फार्मेसी का निरीक्षण किया और दवा की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि फार्मेसी में दवा की उपलब्धता हमेशा रहे यह सुनिश्चित कर लें। जीवन रक्षक दवाई की विशेष व्यवस्था रहे। इस दौरान भू अर्जन पदाधिकारी, पीजेएमसीएच के अधीक्षक, सिविल सर्जन, विभिन्न वार्ड के चिकित्सक आदि उपस्थित थे। उपायुक्त के निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया और सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अवैध बालू लदा मोटरसाइकिल जब्त, बसंतराय पुलिस की कार्रवाई

संथाल संध्या

गोड्डा/बसंतराय :- बसंतराय पुलिस ने अवैध बालू लदे मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी मनीष कुमार यादव के नेतृत्व में की गई। जब्त मोटरसाइकिल को सुरक्षार्थ थाना लाया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बसंतराय पुलिस अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। अवैध बालू खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी रहेगी। थाना प्रभारी मनीष कुमार यादव ने कहा कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

अवैध बालू लदा मोटरसाइकिल के मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस जांच में जुटी हुई है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जब्त मोटरसाइकिल के मालिक के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बसंतराय पुलिस आम जनता से अपील करती है कि अवैध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को दें और पुलिस की कार्रवाई में सहयोग करें। पुलिस आम जनता की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर है और अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

बेलडांगा में अवैध शराब के विरुद्ध छापेमारी

संथाल संध्या

पाकुड़ :- मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलडांगा गांव में शुक्रवार को उत्पाद विभाग की टीम ने अवैध शराब निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने लीली टुडु के घर से 15 लीटर अवैध चुलाई शराब और 300 किलोग्राम जल मिश्रित जावा महुआ बरामद किया।

टीम ने बरामद जावा महुआ को घटनास्थल पर ही नष्ट कर दिया। वहीं, आरोपी लीली टुडु मौके से फरार हो गई। उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मुफ्फसिल थाना में फरार अभियोग दर्ज किया गया है। उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध शराब निर्माण और बिक्री की शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। इसी क्रम में बेलडांगा में यह कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसे तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उत्पाद विभाग की इस कार्रवाई से अवैध शराब निर्माण और बिक्री में शामिल लोगों में हड़कंप मच गया है। विभाग की सख्ती के बाद ऐसे तत्वों में खौफ का माहौल है। विभाग की टीम आगे भी अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेगी।

काठीकुंड में बंद खदान से महिला का शव बरामद

संथाल संध्या

दुमका :- जिले के काठीकुंड थाना क्षेत्र के दलाही गांव में एक बंद पड़े पत्थर खदान में अधेड़ महिला का शव बरामद हुआ है। ग्रामीणों ने शव को पानी में तैरता देखा और पुलिस को सूचित किया। थाना प्रभारी त्रिपुरारी कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधि संवत कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम की तैयारी शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, क्योंकि खदान में पानी अधिक था और शव काफी नीचे था।

पुलिस शव की पहचान कराने और घटना की जांच में जुटी है। थाना प्रभारी ने बताया कि शव की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है और न ही घटना के कारणों का पता चल पाया है। पुलिस ग्रामीणों के संपर्क में है और पोस्टमार्टम के बाद ही घटना के कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस आसपास के गांवों और थानों को शव की तस्वीर भेजकर पहचान कराने में जुटी है। ग्रामीणों ने शव को देखकर पुलिस को सूचित किया और शव को बाहर निकालने में पुलिस की मदद की। ग्रामीणों का कहना है कि बंद पड़े पत्थर खदान में अक्सर इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं और प्रशासन को इसे भरने के लिए कदम उठाने चाहिए। पुलिस ने आसपास के गांवों के लोगों से अपील की है कि यदि किसी को शव की पहचान के बारे में कोई जानकारी है, तो वह पुलिस को सूचित कर सकता है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले रही है और जल्द ही घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

महागामा डिग्री कॉलेज में यूजी नामांकन प्रक्रिया शुरू

बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा :- महागामा डिग्री कॉलेज में सत्र 2025-29 के लिए यूजी नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ राहुल कुमार संतोष ने बताया कि चांसलर पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन 1 जून से 24 जून 2025 तक स्वीकार किए जाएंगे। प्राचार्य ने बताया कि पहली मेरिट लिस्ट 28 जून को प्रकाशित होगी और इसके अनुसार नामांकन 1 जुलाई से 17 जुलाई तक किया जाएगा। दूसरी मेरिट लिस्ट 19 जुलाई को प्रकाशित होगी और इसके अनुसार नामांकन 21 जुलाई से 26 जुलाई तक किया जाएगा।

महागामा डिग्री कॉलेज में विभिन्न विषयों में नामांकन किया जाएगा, जिनमें इकोनॉमिक्स, इंग्लिश, भूगोल, हिंदी, इतिहास, राजनीतिक विज्ञान, संथाली, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, साइकोलॉजी, रसायन, भौतिकी, गणित और कॉमर्स शामिल हैं। कॉलेज प्रशासन ने निर्णय लिया है कि एक अगस्त से नए सत्र की कक्षाएं प्रारंभ कर दी जाएंगी। प्राचार्य ने छात्रों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि के भीतर ऑनलाइन आवेदन करें और नामांकन प्रक्रिया पूरी करें। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सख्त निर्णय लिए हुए हैं कि अंतिम तिथि के बाद पोर्टल पुनः नहीं खोला जाएगा। इसलिए छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे समय पर ऑनलाइन आवेदन करें और नामांकन प्रक्रिया पूरी करें।

गोड्डा में चोरी की दो घटनाएं, 50 हजार की चोरी

बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा :- नगर थाना क्षेत्र के कुरमन में एक ही रात में दो घरों में चोरी की घटना सामने आई है। दूसरी चोरी की घटना स्वर्गीय संजय प्रसाद सिन्हा के घर में हुई, जब गृह स्वामी मुंडन समारोह के लिए जमालपुर गए हुए थे। इसी बीच अज्ञात चोरों ने मौका पाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। संजय सिन्हा के भतीजा अंकित सिन्हा ने बताया कि चोर लगभग 50,000 रुपये के जेवरात, कई महत्वपूर्ण कागजात और नकद राशि चोरी कर ले गए। अंकित सिन्हा ने बताया कि चोरों ने घर की सुरक्षा व्यवस्था का फायदा उठाकर इस घटना को अंजाम दिया। इस चोरी की

घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है और लोगों में आक्रोश है। इससे पहले भी गोड्डा में चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जहां चोरों ने दीवार काटकर या घर में घुसकर लाखों की चोरी की है। पुलिस अब इस मामले की जांच में जुटी है और चोरों को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

पथरगामा में पंचायत समिति की मासिक बैठक आयोजित

बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा :- पथरगामा प्रखंड कार्यालय के सभागार में प्रखंड प्रमुख अवधेश साह की अध्यक्षता में पंचायत समिति सदस्यों की मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रखंड से संबंधित विभिन्न योजनाओं और जनहित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान अबुआ आवास योजना से संबंधित जानकारी मांगी गई, जिस पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि वर्ष 2024-25 के लक्ष्य के तहत लाभुकों को स्वीकृति दी जा चुकी है और योजना का कार्य प्रगति पर है। साथ ही यह भी बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण प्लस) के तहत सभी लाभुकों का सर्वे 15 मई 2025 तक पूरा कर लिया गया है। प्रमुख ने पेंशन योजना के लिए पंचायत स्तर पर विशेष कैंप आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। साथ ही उन्होंने मैया सम्मान योजना के लाभुकों की सूची की मांग की। इस पर बीडीओ ने आश्वस्त किया कि पंचायत सचिव सप्ताह में चार दिन पंचायत सचिवालय में उपस्थित रहते हैं, और योग्य लाभुकों को 15 दिनों के भीतर स्वीकृति प्रदान की जाएगी।

रानीपुर पंचायत समिति सदस्य ने शिकायत की कि पंचायत सचिव जन्म और मृत्यु निबंधन के फॉर्म स्वीकार नहीं कर रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को काफी कठिनाई हो रही है। इसके अलावा बैठक में अंचल कर्मियों की अनुपस्थिति पर भी सवाल उठाए गए, जिससे पीएम किसान योजना से संबंधित कोई जानकारी नहीं मिल सकी। प्रमुख ने आश्वस्त किया कि समस्याओं का समाधान करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत सचिवों को निर्देश दिया जाएगा कि वे जन्म और मृत्यु निबंधन के फॉर्म स्वीकार करें और अंचल कर्मियों को भी निर्देश दिया जाएगा कि वे पीएम किसान योजना से संबंधित जानकारी प्रदान करें। बैठक में प्रखंड समन्वयक मुकेश कुमार मंडल, पंचायती राज पदाधिकारी सपना कुमारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अजय कुमार जायसवाल, स्वास्थ्य केंद्र सहायक चंद्रशेखर चौधरी, सहित सभी पंचायत समिति सदस्य एवं विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न योजनाओं और जनहित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई और समस्याओं का समाधान करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया गया। प्रमुख ने कहा कि पंचायत समिति की मासिक बैठक में लिए गए निर्णयों को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया जाएगा।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर विशेष

आदरणीय पाठकों,

सादर नमस्कार। हिंदी पत्रकारिता दिवस के इस विशेष अवसर पर हिंदी दैनिक अखबार संथाल संध्या की ओर से आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं एवं अभिनंदन! पत्रकारिता न केवल समाचार संप्रेषण का माध्यम है, बल्कि यह समाज के अंतर्मन को झकझोरने वाली एक सशक्त विधा है।

पत्रकारिता जनमानस को जागरूक करने, विचारों का निर्बाध आदान-प्रदान सुनिश्चित करने तथा सत्य और न्याय की रक्षा करने का माध्यम है। विशेष रूप से हिंदी पत्रकारिता ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक सामाजिक न्याय, मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हमारा सदैव यह प्रयास रहेगा कि हम पत्रकारिता के मूल स्तंभ — सत्य, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता — के प्रति अपने उत्तरदायित्व को निभाएं। आप सभी पाठकों का स्नेह, सहयोग और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत और प्रेरणा है।

आइए, इस अवसर पर हम सब मिलकर एक सशक्त, सजग और जागरूक समाज के निर्माण का संकल्प लें। हम पत्रकारिता के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रयासरत रहेंगे और आप सभी के सहयोग और समर्थन की अपेक्षा करते हैं।

गोड्डा जिला ब्यूरो
बासु कुमार मरीक
संथाल संध्या अखबार

संपादकीय

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था। वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे? संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

अहिल्यादेवी होलकरः दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासक

ललित गर्ग

(अहिल्याबाई होलकरः 31 मई 2025 तीन सौवीं जन्म जयन्ती)

भारतीय संस्कृति के उज्ज्वल इतिहास के सुवर्ण पृष्ठों पर अनेक शील, शौर्य, शक्ति एवं पराक्रम संपन्न नारियों के नाम अंकित हुए हैं। शील, भक्ति, आस्था, शौर्य, शक्ति एवं धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रभाव के कारण ही वे प्रणम्य हैं। ऐसी ही श्रृंखला में एक नाम है राजमाता अहिल्याबाई होलकर का, जो परम विदुषी, सनातन धर्म-शासन प्रभाविका, मातृहृदया, कुशल शासक एवं प्रबल धर्मनिष्ठा पूज्याप्रवर हैं। वे हिन्दू धर्म की उच्चतम परम्पराओं, संस्कारों और जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान विभूति थी, शासक रश्मि थी, सृजन रश्मि थी, नेतृत्व रश्मि थी, विकास रश्मि थी। सनातन धर्म की ध्वजवाहिका थी, एक ऊर्जा थी। उन्होंने ने न केवल कुशल-शासक व्यवस्था के मूल्य मानक गढ़े, बल्कि सामाजिकता, सेवा एवं परोपकार के नये आयाम भी उद्घाटित किये। जन कल्याण एवं सेवा के क्षेत्र में भी उन्होंने अनेक कार्य किए। भारत ऐसी ही आदर्श नारी चरित्रों की गौरव-गाथा से विश्व गुरु कहलाता था। इस वर्ष 31 मई, 2025 को उनकी जन्म जयन्ती का त्रिशताब्दी दिवस है। कभी-कभी वास्तविक जीवन की घटनाएं कहानियों से भी अधिक अद्भुत, साहसी, रोमांचकारी एवं विलक्षण होती है। सच यह भी है कि कभी-कभी जिन्दगी की किताब के किरदार कहानियों, फिल्मों एवं उपन्यासों के किरदारों से भी कहीं अधिक सशक्त और अविस्मरणीय होते हैं। लौह महिला महारानी अहिल्याबाई होल्कर का व्यक्तित्व व कृतित्व भी ऐसा ही है, जो उन्हें विश्व की श्रेष्ठतम महिलाओं की पंक्ति में अग्रणी बनाता है, जिनका भारत के इतिहास और जनमानस पर विशेष प्रभाव रहा है। वे भारतीय इतिहास की एक विलक्षण, साहसी, दूरदर्शी, दार्शनिक एवं पराक्रमी नायिका है। राजमाता अहिल्याबाई होलकर, मालवा साम्राज्य की होलकर रानी थीं। उन्हें भारत की सबसे दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासकों में से एक माना जाता है। 18वीं शताब्दी में, मालवा की महारानी के रूप में, धर्म का संदेश फैलाने में, नयी शासन-व्यवस्था स्थापित करने और औद्योगीकरण के प्रचार-प्रसार में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा था। अतीत से आज तक वे व्यापक रूप से अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और प्रशासनिक कौशल के लिए जानी जाती हैं। 31 मई 1725 को जामखेड, अहमदनगर (महाराष्ट्र) के चोंडी गाँव में जन्मी अहिल्या, एक साधारण परिवार से थीं। उनके पिता मनकोजी राव शिंदे, ग्राम प्रधान थे, जिन्होंने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया था। एक युवा लड़की के रूप में, उनकी सादगी और सुचरित्र के संयोजन ने, मालवा क्षेत्र के राजा मल्हार राव होलकर का ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया। वे युवा अहिल्या से इतने प्रभावित थे कि 1733 में जब वे मुश्किल से आठ साल की भी नहीं हुई थीं, तब उन्होंने उनका विवाह अपने बेटे खंडेराव होलकर से करवा दिया। उनकी शादी के बारह साल बाद, कुम्हेर किले की घेराबंदी के दौरान, उनके पति खंडेराव की मृत्यु हो गई। अहिल्याबाई इतनी आहत हुई कि उन्होंने सती होने का फ़ैसला कर लिया। लेकिन उनके ससुर मल्हार राव ने उन्हें इतना कठोर कदम उठाने से रोक लिया और अहिल्या को अपनी छत्र-छाया में लेकर, उन्हें सैन्य, राजनीतिक और प्रशासनिक मामलों में प्रशिक्षित किया। राज-काज की बारीकियां समझाई। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय'- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे। उनका चिंतन, शासन-व्यवस्था, संस्कृति-प्रेम, संभाषण,

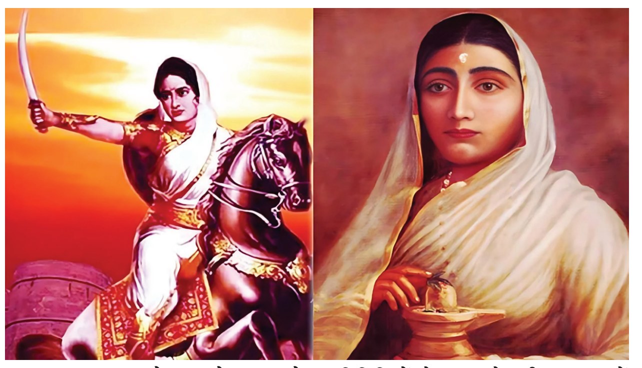

आचरण, सृजन, सेवा, परोपकार- ये सब ऐसे खुले वातायन थे, जिनसे निरंतर आलोक प्रस्फुटित होता रहा और पूरी मानवजाति को उपकृत किया। राजमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन अनेक संकटों एवं संघर्षों का साक्षी बना। एक के बाद एक पहाड जैसे दुःख, आघात उन्हें झेलने पड़े। 1766 में अहिल्या के ससुर मल्हार राव का भी निधन हो गया। उसके अगले ही वर्ष, उन्होंने अपने बेटे माले राव को भी खो दिया। बेटे को खोने का दुःख उन्होंने अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। राज्य और अपनी प्रजा के कल्याण को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पेशवा से, मालवा के शासन को संभालने की अनुमति मांगी। हालांकि, कुछ अभिजातों ने इसका विरोध किया, लेकिन उन्हें सेना का समर्थन प्राप्त था। सेना को उन पर पूरी श्रद्धा और विश्वास था, क्योंकि वह सैन्य और प्रशासनिक मामलों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित थीं। उन्होंने कई मौकों पर सेना का नेतृत्व किया था और एक सच्चे योद्धा की तरह लड़ाई लड़ी थी। 1767 में, पेशवा ने अहिल्याबाई को मालवा पर अधिकार करने की अनुमति दे दी। 11 दिसंबर 1767 को वे गद्दी पर बैठीं और इंदौर की शासक बनीं। अगले 28 वर्षों तक महारानी अहिल्याबाई ने न्यायोचित, बुद्धिमत्तापूर्ण और ज्ञानपूर्वक तरीके से मालवा पर शासन किया। अहिल्याबाई के शासन के तहत, मालवा में शांति, समृद्धि, खुशहाली और स्थिरता बनी रही। साथ ही साथ उनकी राजधानी साहित्यिक, संगीतात्मक, कलात्मक और औद्योगिक गतिविधियों के एक बेहतरीन स्थान में परिवर्तित हो गई। कवियों, कलाकारों, मूर्तिकारों और विद्वानों का उनके राज्य में स्वागत किया गया, क्योंकि वे उनके काम को बहुत सम्मान दिया करती थीं। रानी अहिल्याबाई ने अपने समय में विभिन्न दिशाओं में सृजन की ऋचाएं लिखी हैं, नया इतिहास रचा है। अपनी योग्यता और क्षमता से स्वयं को साबित किया है। नारी शासक के रूप उन्होंने एक छलांग लगाई, राज-व्यवस्था एवं उन्नत समाज संरचना को निर्मित करते हुए जीवन की आदर्श परिभाषाएं गढ़ी थीं। वह अपनी प्रजा को अपनी संतान मानती थी। उन्होंने अपने शासनकाल में कई कानूनों को समाप्त किया, किसानों का लगान कम किया, कृषि, उद्योग धन्धों को सुविधा देकर विकास के अनेक काम किए। चोर, डाकुओं एवं अन्य अपराधियों को सही रास्ते पर लाकर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर उनकी जीवन दिशाएं बदली। रानी अहिल्याबाई महान् परोपकारी, संवेदनशील एवं करूणामयी थी। राहगीरों, गरीबों, विकलांगों, साधु-संतों,पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं सभी का ध्यान रखती थी यहां तक कि अपने सैनिकों, कर्मचारियों के कल्याण के लिए भी वह कभी पीछे नहीं हटी। मन्दिरों का जीर्णोद्धार, पर्यावरण एवं जलसंधारण, विधि एवं न्याय व्यवस्था, नारी सम्मान और नारी शिक्षा, व्यापार, कौशल-विकास आदि उनके शासन की विशेष उपलब्धियां बनी। अहिल्याबाई का हृदय समाज के सभी वर्गों के लिए धड़कता था। रानी अहिल्याबाई हिन्दू धर्म की पुरोधा, उन्नायक एवं रक्षक थी। उन्होंने बद्रीनाथ, केदारनाथ, रामेश्वरम, जगन्नाथ पुरी, द्वारका, पैठण, महेश्वर, वृंदावन, सुपलेश्वर, उज्जैन, पुष्कर, पंढरपुर, चिंचवाड़, चिखलदा, आलमपुर, देवप्रयाग, राजापुर स्थानों पर मंदिरों का पुनर्निर्माण करवाया तथा घाट बनवाएं और धर्मशालाएं खुलवाए, जहां लोगों को प्रतिदिन भोजन मिलता था। काशी विश्वेश्वर मंदिर के साथ-साथ पूरे देश के मंदिरों का निर्माण व पुनर्निर्माण का कार्य रानी ने करवाया। त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग में तीर्थ यात्रा के लिए विश्रामगृह, अयोध्या, नासिक में भगवान श्रीराम के मंदिरों का निर्माण, सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, उज्जैन में चिंतामणि गणपति मंदिर निर्माण-ये सभी कार्य रानी ने दिल खोलकर किए हैं। उन्होंने कल्याणकारी व परोपकारी कार्यों द्वारा राष्ट्र निर्माण का महत्ती कार्य भी किया तथा देश में धार्मिक, सामाजिक, राष्ट्रीय एकता कायम करने के लिए सराहनीय प्रयास किए। अहिल्याबाई ने महेश्वर में वस्त्र उद्योग भी स्थापित किया, जो वर्तमान में अपनी महेश्वरी साड़ियों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। शासन से लेकर संस्कार तक, साहित्य से लेकर समाज-निर्माण तक अनुभव गुम्फित है। न केवल राजनीति के क्षेत्र में बल्कि व्यक्ति निर्माण एवं समाज निर्माण के क्षेत्र में भी आपके विचारों का क्रांतिकारी प्रभाव देखने को मिलता है। 'दार्शनिक महारानी' की उपाधि से सम्मानित, अहिल्याबाई का 13 अगस्त 1795 को सत्तर वर्ष की आयु में निधन हो गया। रानी अहिल्याबाई में इतिहास के गौरवशाली वीरों के गुण देखने को मिलते हैं। कोई भी महिला इतनी सर्वगुण संपन्न कैसे हो सकती है? इतिहास, वर्तमान और भविष्य में केवल एक ही नारी में इतने गुणों का समावेश होना संभव ही नहीं है। धर्माचरण, शासन प्रबंध, विद्वानों का सम्मान व न्याय, दानशीलता ,उदार धर्म नीति, भक्ति भावना, वीरता, त्याग व बलिदान, साहस, शौर्य से परिपूर्ण रानी अहिल्याबाई युगों- युगों तक अमर रहेगी।

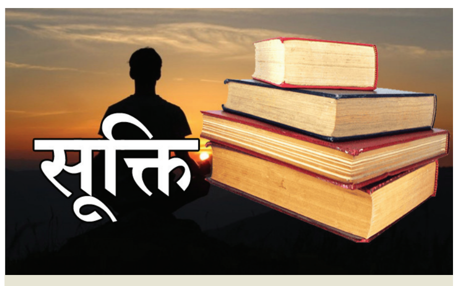

सत्य से प्यार करें और गलती को क्षमा कर दें।
- वाल्टेयर

बुद्धिमता की पुस्तक में ईमानदारी सबसे पहला अध्याय है।
- अज्ञात

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे गुरु अस्तमेति तिथि पंचमी शनिवासरे, पुष्प नक्षत्रे, वृद्ध योगे, ववकरणे, कर्क की चंद्रमा, शुक्र 24/20 मूल प्रारंभ रात्रि 1/18 रवियोग 49/54 जलखनन देवे प्रतिष्ठा व्यापार मुहूर्त तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, लेखक, कवि तथा प्रसन्नचित्त रहने वाला, लकड़ी का व्यापारी, जंगल का ठेकेदार, उत्तम व्यापारी तथा उत्तम वृत्ति वाला होगा।

मेष राशि :- अपने आप पर नियंत्रण रखें, चिन्ता, विभ्रम तथा अशांति से बचकर रुके कार्य बनेंगे।

वृष राशि :- कोई शुभ समाचार हर्षप्रद रखे, थकावट बेचैनी तथा धन का व्यय अवश्य होगा।

मिथुन राशि :- शुभ समाचार से हर्ष तो होगा लेकिन भावना उत्तेजित होगी, मानसिक कष्ट होगा।

कर्क राशि :- दैनिक कार्यगति में सुधार हो एवं कार्ययोजना फलीभूत होगी, मित्र मिलन होगा।

सिंह राशि :- असमंजस क्लेशप्रद रखे, झूठे आश्वासनों पर विश्वास न करें, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि :- दैनिक व्यावसाय गति अनुकूल, स्त्री-वर्ग से हर्ष-उल्लास, लाभ होगा, ध्यान रखें।

तुला राशि :- समय पर सोचे हुये कार्य पूर्ण होंगे, बौद्धिक विकास की क्षमता में वृद्धि अवश्य होगी।

वृश्चिक राशि :- अनायास तनाव-क्लेश, हानि, उपद्रव, विरोधी से विवादास्पद स्थिति बनेगी।

धनु राशि :- समय की अनुकूलता से लाभांवित होंगे, रुके समाचारों के मिलने से खुशी होगी।

मकर राशि :- स्त्री शरीर कष्ट, स्त्री से सुखवर्धन, कुटुम्ब में सुख के योग बनेंगे, सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष, परेशानी व चिन्ताजनक स्थिति बनेगी, ध्यान रखें।

मीन राशि :- स्थिति में सुधार होगा, व्यावसाय अनुकूल, अधिकारी सहयोग करेंगे।

संसद के दोनों सदनों मे महासचिव पद पर असंवैधानिक नियुक्ति?

सनत जैन

संसद की प्रशासनिक रीढ़ उसका सचिवालय और निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 98 मे स्पष्ट रूप से लोकसभा और राज्यसभा के लिए स्वतंत्र सचिवालय सेवा की स्थापना, कर्मचारियों की नियुक्ति, प्रक्रिया और प्रशासनिक स्वायत्तता सुनिश्चित करता है। यह प्रावधान संसद को कार्यपालिका से स्वतंत्र बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया था। पिछले दो दशकों से, इस संवैधानिक भावना एवं नियमों की खुली अवहेलना हो रही है। जिसके कारण संवैधानिक अधिकारों की रक्षा संभव नहीं हो पा रही है। लोकसभा और राज्यसभा के महासचिव जैसे सर्वोच्च प्रशासनिक पदों पर संविधान का उल्लंघन करते हुए अब भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) या भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारियों की नियुक्तियां इस बात का प्रमाण हैं। यह पद संसदीय सचिवालय सेवा के वरिष्ठतम अधिकारियों के लिए सुरक्षित माने जाते थे। सचिवालय के सारे अधिकार लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा में सभापति के अधीन होते हैं। अब यहपरंपरा और अधिकार एक तरह से समाप्त होता जा रहा है। यह केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं है। बल्कि लोकतंत्र के स्तंभों की स्वतंत्रता के सिद्धांत को समाप्त करते हुए, सीधे-सीधे संविधान का उल्लंघन है। पूर्व में संसद सचिवालय सेवा से जुड़े विद्वान अधिकरी जैसे सुभाष कश्यप या योगेंद्र नारायण जैसे अधिकारियों ने इन पदों की गरिमा को स्थापित किया। संविधान और सांसदों के अधिकारों की रक्षा करते हुए नियम और कानूनों को बनाने में बेहतर योगदान दिया। जिसके कारण भारत की संसदीय परंपरा सारी दुनिया में स्थापित हुई। सारी दुनिया में संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं को लेकर भारत का एक विशेष स्थान बना। वर्तमान में राजनीतिक कृपा प्राप्त अधिकारियों के कारण क्षीण होती जा रही है। आईएएस या अन्य सेवाओं के अधिकारी कार्यपालिका से सीधे जुड़े होते हैं। संसद के सचिवालय में उनकी नियुक्ति सत्ता के नियंत्रण का द्वार खोल देती है। वह सत्ता में बैठे हुए लोगों के इशारे में काम करते हैं। जिसके कारण संसदीय परंपराएं एवं संविधान की मूल भावना धीरे-धीरे खत्म होती जा रही हैं। सांसदों के अधिकार सीमित होते जा रहे हैं। जिस तरह से नियम और कानून संसद में बनाए जा रहे हैं। हो-हल्ले के बीच कानूनों को पास किया जा रहा है। संसद के अधिकार सरकार के जिम्मे किये जा रहे हैं। संसदीय नियमों की अवहेलना हो रही है। बार-बार नियमों मे संशोधन हो रहे हैं। जिसके कारण संसद, सांसदों, लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की गरिमा भी तेजी के साथ कम होती जा रही है। यह स्थिति न केवल संविधान का उल्लंघन है, बल्कि संसदीय समितियों की निष्पक्षता और उनकी स्वतंत्रता पर भी कुठाराघात है। महासचिव जैसे पद पर बैठा अधिकारी सरकार से प्रभावित है। सरकार के कहने पर वह निर्णय कर रहा है। संसद की रिपोर्टों को सरकार को लीक करता है, या रोकता है। सांसदों की टिप्पणियों को दबा रहा है। संसदीय प्रक्रियाओं को पक्षपातपूर्ण सरकार के दबाव में उनमें बदलाव कर रहा है। इससे संसद की स्वतंत्रता, संविधान के प्रति जवाबदेही, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की शक्ति को कमजोर किया जा रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है, संसद के भीतर की नियुक्तियों में पारदर्शिता एवं संवैधानिक अनुशासन की पुनर्स्थापना हो। सुप्रीम कोर्ट और संसद की आंतरिक समितियों को इस गंभीर उल्लंघन पर संज्ञान लेना चाहिए। लोकतंत्र तभी जीवित रह सकता है, जब उसके स्तंभ स्वतंत्र और संवैधानिक मर्यादा के अधीन हों। पिछले एक दशक में सरकार द्वारा बहुमत के आधार पर जिस तरह से संसद की कार्यवाही संचालित की जा रही है लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति आंख मूंदकर सरकार की बात को मानकर संसद की कार्यवाही को बहुमत के आधार पर चला रहे हैं। उसके परिणाम अब देखने को मिल रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय में सीआरपीएफ के जवानों की तैनाती हो गई है। लोकसभा और राज्यसभा के सचिवालय में कार्यपालिका के अधिकारियों कर्मचारियों की नियुक्ति की जा रही है। लोकसभा और राज्यसभा में तैनात सुरक्षा बल गृह मंत्रालय के अधीन आते हैं लोकसभा और राज्यसभा के महासचिव जैसे पद प्रशासनिक अधिकारियों के पास पहुंच गए हैं। जिनकी चाबी सरकार के पास होती है। लोकसभा और राज्यसभा के सत्र कम से कम होते चले जा रहे हैं। सरकार उन्हीं मामलों में चर्चा करती है, जिसमें वह कराना चाहती है।

कैंसर रोग का जन्मदाता तंबाकू का नशा

विजय कुमार जैन

युवकों में नशे की प्रवृति निरंतर बढ़ रही है। बीड़ी-सिगरेट पीकर नशा करने की आदत किशोरावस्था में महाविद्यालयीन शिक्षा के दौरान बढ़ जाती है। मुंह से सिगरेट-बीड़ी लगते ही युवक किशोरावस्था में ही अनेक गंभीर बीमारियों को शरीर में जन्म दे देते हैं। वर्तमान में नशे के अनेक साधन उपलब्ध है। नशा करने बाले सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, शराब, ब्राउन शुगर आदि का उपयोग जोर-शोर से कर रहे हैं। बीड़ी-सिगरेट में निकोटीन होता है, इसके नशे का सबसे पहले असर श्वसन प्रणाली पर पड़ता है।इनके नशे का एक दुष्प्रभाव यह होता है कि यह आदत किशोरावस्था में लगती है और जीवन भर रहती है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि भारत में तंबाकू के पौधे को सबसे पहले पुर्तगाली यात्री वास्कोडिगामा लेकर आया था। तंबाकू के भारत में प्रवेश से पहले यहाँ प्राचीनकाल से भांग का नशा का किया जाता था। अन्य प्रकार के नशों की अपेक्षा भांग से कैंसर नहीं होता है। धूम्रपान करने बालों के फेफड़ों में कमजोरी आ जाती है,अथवा फेफड़ों में बीमारी प्रवेश कर लेती है। जबकि जो नशा नहीं करते हैं उन्हें यह स्थिति नहीं होती है। एक सर्वेक्षण के अनुसार यह आंकड़े सामने आये है कि पुरुषों में 50 प्रतिशत एवं महिलाओं में 20 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के कारण ही होता है। 25 से 60 आयु समूह में मरने वालों में 25 प्रतिशत धूम्रपान के कारण मौत के मुँह में चले जाते है। यह भी उल्लेखनीय है कि धूम्रपान करने वालों में क्षय रोग टीबी की बीमारी के कीटाणु लगने की आशंका अन्य लोगों से चार गुना ज्यादा होती है। कैंसर इन्स्टीट्यूट नई दिल्ली के कैंसर चिकित्सा सेवा विभाग के तत्कालीन निदेशक डाँ पुनीत गुप्ता ने कुछ समय पूर्व एक चर्चा के दौरान बताया तंबाकू की पत्तियों में करीब चार हजार रसायन होते हैं, जिनमें से 60 रसायन मनुष्य के शरीर में जाकर डीएनए, आर एन ए और प्रोटीन की संरचना में बदलाव करके गंभीर रोग कैंसर को पैदा करते हैं। डाँ पुनीत गुप्ता के अनुसार जब तंबाकू से बने सिगरेट या सिगार को सुलगाया जाता है तो चार हजार रसायनों में से कुछ कैंसर जन्य रसायनों में बदल जाते हैं।जब तंबाकू का सेवन शराब के साथ किया जाता है तो कैंसर पैदा करने की उसकी क्षमता बहुत अधिक बढ़ जाती है। इसलिए तंबाकू का सेवन किसी भी रूप में घातक है। सिगरेट सिगार या बीड़ी का एक कश भी मानव शरीर के लिये हानिकारक है। एक सर्वेक्षण में यह तथ्य भी सामने आये है कि देश में तंबाकू का सेवन एवं धूम्रपान जानलेवा महामारी का रूप धारण कर चुका है। आम लोगों में इस बुरी आदत को छुड़ाने में मनोवैज्ञानिक उपचार कारगर साबित हुए है। अनेक अध्ययनों से ऐसे प्रमाण मिले है कि मनोवैज्ञानिक उपाय एवं उपचार से धूम्रपान छोड़ने बालों की संख्या बढ़ रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा है कि तंबाकू खाना पूरी तरह से बंद करने से कैंसर तथा पूर्व कैंसर के 60 प्रतिशत मामलों को रोका जा सकता है। सर्वेक्षण में यह भी उल्लेख किया है भारत में 12 करोड़ लोग धूम्रपान करते हैं और दुनियाभर में धूम्रपान करने बालों की संख्या के हिसाब से चीन के बाद हमारा भारत दूसरे स्थान पर है। एक अध्ययन के अनुसार धूम्रपान करने बालों की तुलना में कैंसर से मरने बालों की संभावना सात गुना अधिक होती है। यह भी कहा है शराब और अन्य नशीले पदार्थों के साथ तंबाकू का सेवन तंबाकू के दुष्प्रभाव को और बढ़ा देता है। 50 की उम्र के बाद धूम्रपान को रोकने पर कैंसर का खतरा आधा हो जाता है जबकि 30 की उम्र में धूम्रपान रोकने पर इसके सभी दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। विगत वर्षों भारत सरकार ने संसद में प्रस्तुत रिपोर्ट में जानकारी दी थी तंबाकू का बाजार विश्व स्तर पर हर वर्ष 8.5 प्रतिशत से बढ़ रहा है। भारत में भारत सरकार द्वारा हर वर्ष सिगरेट पर जी एस टी में वृद्धि करने के वावजूद सिगरेट की खपत में दिन रात वृद्धि हो रही है। यहाँ विशेष रूप से उल्लेख करना चाहेंगे कि धूम्रपान करना सिगरेट का कश लम्बे समय तक खींचकर नशा करने से अनेक बीमारियाँ मानव शरीर में प्रवेश कर जाती हैं। सिर, गले, फेफड़े, आहार नली, किडनी, पैक्रियाज,स्तन एवं सर्वाइकल में कैंसर हो सकता है। इसके अलावा हृदय रोग और स्ट्रोक के अलावा पैरों में वैस्कुलर रोग के खतरे बढ़ जाते है। इसका इलाज नहीं है। शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर के सुप्रसिद्ध दंत चिकित्सक मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ अमित रावत से मेरी इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई आपका कहना है ओरल कैंसर भारत में एक बड़ी समस्या है, देश में शीर्ष तीन प्रकार के कैंसर में इसका स्थान है। डॉ अमित रावत ने बताया, जब शरीर के ओरल कैविटी के किसी भी भाग में कैंसर होता है तो इसे ओरल कैंसर कहा जाता है। ओरल कैविटी में होंठ, गाल, लार ग्रंथिया, कोमल व हार्ड तालू, यूवुला, मसूडों, टॉन्सिल, जीभ और जीभ के अंदर का हिस्सां आते हैं। ओरल कैंसर आज हमारे देश की एक प्रमुख समस्या के रुप में बीमारी उभरी है सबसे ज्यादा पुरुषों में पाया जाता है इसका मुख्य कारण पान मसाला तंबाकू बीड़ी सिगरेट का प्रयोग करना है एल्कोहल भी इसका कारण है। ओरल कैंसर से पूरी तरह बचा जा सकता है। सभी का योगदान बहुत जरुरी है। तबाकू में करीब पांच सौ तरीके के हानिकारक तत्व होते हैं जिनमें से 50 ऐसे हैं जिन्हें हम कार्सिनोजन कहते है।कैसे होता है ओरल कैंसर-

1. स्मोकिंग-सिगरेट, सिगार, हुक्का, इन तीनों चीज़ों के आदी लोगों को एक नॉनस्मोकर के मुकाबले माउथ कैंसर होने का 6 फीसदी ज्यादा खतरा होता है।

2.तंबाकू-माउथ कैंसर होने का खतरा तंबाकू सूंघने, खाने या चबाने वाले लोगों को उनकी तुलना में 50 फीसदी ज्यादा होता है, जो तंबाकू यूज़ नहीं करते। माउथ कैंसर आम तौर पर गाल, गम्स और होंठों में होते हैं।

3. एल्कोहल-शराब पीने वालों को माउथ कैंसर होने का खतरा बाकी लोगों से 6 फीसद ज्यादा होता है। तम्बाकू सेवन युवा पीढ़ी के लिए अभिशाप है। वर्ष 2020 में कोरोना महामारी से पीड़ित रहे लोगों एबम ब्लैक फंगस के मरीजो में भी तम्बाकू उपयोग करने बाले लोगों को अधिक इन्फेक्शन हो रहा है।मेरे मित्र समाज सेवी एवं पिछले लगभग 30 वर्ष से गुटखा हानिकारक है नशा मुक्ति अभियान चला रहे माली कृष्ण गोपाल कश्यप जिन्हें उत्कृष्ट कार्य के विगत वर्ष मध्यप्रदेश शासन द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया है। कश्यप का कहना है वर्तमान में नशीले गुटखा पाउच का प्रचलन ज्यादा हो रहा है। गुटखा पाउच को सभी उम्र के लोग खा रहे हैं। गुटखा खाने से मुंह का कैंसर होता है। गुटखा में तंबाकू के साथ और भी नशीली वस्तुओं का मिश्रण किया जाता है। आपका कहना है गुटखा पाउच जिसे हम चाव से खाते है वह कैंसर को शीघ्र जन्म दे रहा है।

सूडोकु नवताल- 7446

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7445 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

किशोरों की नसों में जहर भरता तंबाकू उद्योग

योगेश कुमार गोयल

(विश्व तम्बाकू निषेध दिवस (31 मई) पर विशेष)

पिछले कई दशकों में तंबाकू उत्पादों को लेकर दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों के आधार पर सर्वविदित तथ्य यही है कि धूम्रपान करना अथवा किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते या अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान अथवा तंबाकू उत्पादों के सेवन से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोध यह प्रमाणित कर चुके हैं कि धूम्रपान अथवा तंबाकू उत्पादों के सेवन करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान सहित तमाम तंबाकू उत्पाद ऐसा धीमा जहर हैं, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटते हैं। ये शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देते है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनते हैं। लोगों को तंबाकू को छोड़ने और इसे कभी हाथ नहीं लगाने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष विश्वभर में 31 मई को 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करना है, जो दुनियाभर में प्रतिवर्ष लाखों मौतों का कारण बनता है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस 'अपील का पर्दाफाशः तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना' थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह थीम निर्धारित करते समय तंबाकू उद्योग द्वारा युवाओं को टारगेट करते हुए बनाए गए मार्केटिंग के तरीकों की चिंता बढ़ाने वाली प्रवृत्ति की ओर खास ध्यान दिया गया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म इत्यादि के जरिये दुनियाभर में युवा तेजी से तंबाकू उत्पादों के आकर्षण और संपर्क में आ रहे हैं, जो उनके स्वास्थ्य और समाज कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है। दुनियाभर के सर्वेक्षण लगातार दिखा रहे हैं कि अधिकांश देशों में 13-15 वर्ष की आयु के बच्चे तंबाकू और निकोटीन उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वैसे तो हुक्का, गुटखा, खैनी, जर्दा इत्यादि तमाम तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं लेकिन इसका सबसे हानिकारक रूप है धूम्रपान, जो हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनता है। धूम्रपान करने वालों द्वारा सालभर में सात हजार करोड़ से ज्यादा सिगरेटें फूंक दी जाती हैं। हर साल फूंकी जाने वाली इन्हीं सिगरेटों के धुएं से वातावरण भी कितना प्रदूषित होता है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि इस खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। हालांकि सिगरेटें महंगी होने के कारण भारत में बीड़ी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीड़ियों का सेवन किया जाता है। एक सरकारी अध्ययन के मुताबिक तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के इलाज पर सालभर में करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। दुनियाभर में धूम्रपान के कारण 2019 में 77 लाख लोगों की मौत हुई, जिनमें से 17 लाख मौतें इस्केमिक हार्ट डिजीज के कारण, 16 लाख सीपीओडी के कारण, 13 लाख ट्रैकियल, ब्रोंकस और फेफड़ों के कैंसर से तथा 10 लाख स्ट्रोक के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं।

खेतोरी समाज गोड्डा के महागामा में बटेश्वर कुंवर शहीद दिवस मनाया गया

बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा :- महागामा प्रखंड के खेतोरी में बटेश्वर कुंवर शहीद दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने भाग लिया और बटेश्वर कुंवर की शहादत को याद किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बटेश्वर कुंवर की शहादत को याद किया और उनके योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि बटेश्वर कुंवर की शहादत ने देश के लोगों को प्रेरित किया और स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत बनाया। स्थानीय लोगों ने बटेश्वर कुंवर को श्रद्धांजलि दी और उनकी याद में मौन रखा। इस अवसर पर लोगों ने बटेश्वर कुंवर की याद में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय प्रशासन और सामाजिक संगठनों के सहयोग से किया गया था। इस अवसर पर लोगों ने बटेश्वर कुंवर की शहादत को याद किया और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

ग्रामीणों ने मांग की कि बटेश्वर कुंवर की याद में एक स्मारक बनाया जाए और उनकी शहादत को सम्मानित किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे आने वाली पीढ़ियों को बटेश्वर कुंवर की शहादत के बारे में पता चलेगा और वे भी देश के लिए लड़ने और बलिदान देने के लिए प्रेरित होंगे। स्थानीय प्रशासन की ओर से आश्वासन दिया गया कि बटेश्वर कुंवर की याद में एक स्मारक बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। प्रशासन ने कहा कि वे ग्रामीणों की मांगों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और बटेश्वर कुंवर की शहादत को सम्मानित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

कार्यक्रम में स्थानीय लोगों के अलावा सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक नेता और प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे। सभी ने बटेश्वर कुंवर की शहादत को याद किया और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। बटेश्वर कुंवर शहीद दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने उनकी शहादत को याद किया और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। स्थानीय प्रशासन और सामाजिक संगठनों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम ने बटेश्वर कुंवर की शहादत को सम्मानित करने और उनकी याद में एक स्मारक बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

जिला कौशल पदाधिकारी ने प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

संथाल संध्या

पाकुड़ :- जिला कौशल पदाधिकारी राहुल कुमार ने शुक्रवार को जिले के विभिन्न कौशल प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के निर्देशानुसार सभी केंद्रों में प्रशिक्षण व्यवस्था और सुविधाओं की समीक्षा की। पाकुड़ के दूरदर्शी ज्ञान कौशल केंद्र में कक्षा कक्ष की लाइव स्ट्रेचिंग सुधारने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा हिरणपुर प्रखंड के मोहनपुर स्थित निष्ठा कौशल केंद्र में छात्रावास और प्रशिक्षण केंद्र की स्वच्छता बनाए रखने का निर्देश भी दिया गया।

जिला कौशल पदाधिकारी ने बताया कि जिले में तीन कौशल केंद्र संचालित हैं, जिनमें रहने, खाने और प्रशिक्षण की सारी सुविधाएं निःशुल्क हैं। इनमें अभ्यर्थियों को ड्रेस और पुस्तकें भी मुफ्त दी जाती हैं। प्रशिक्षण में नर्सिंग, सिलाई, कंप्यूटर आदि शामिल हैं। इस तरह के निरीक्षण से प्रशिक्षण केंद्रों में सुधार होता है और छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिलती हैं। अन्य जिलों में भी इस तरह के निरीक्षण किए जा रहे हैं, जैसे कि गढ़वा में झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी की टीम ने कौशल प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण किया। झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी का उद्देश्य युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस मिशन के तहत विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में युवाओं को नर्सिंग, सिलाई, कंप्यूटर आदि में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

फतेहपुर में प्रखंड स्तरीय मांझी परगनाओं की बैठक आयोजित

संथाल संध्या

जामताड़ा/फतेहपुर :- डाक बंगला परिसर में दिनांक 30-05-2025 को प्रखंड स्तरीय मांझी परगनाओं की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड परगना श्री निवारण सोरेन ने की। बैठक में लड़ तांगा ग्राम का जमीन संबंधित मुद्दे पर चर्चा की गई, जिसमें सभी पंचायतों के पंचायत परगना, जिला परगना और समाज के प्रबुद्ध जनों ने भाग लिया। बैठक में आदिवासी समाज में घर जमाई द्वारा जमीन का हकदार और उसका कर्तव्य संबंधित मुद्दे पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस बैठक में सुनील सोरेन, निवारण सोरेन, सुनील कुमार हेंब्रम, दिलीप टुडू, प्रेम टुडू, मानिक सोरेन, विजय हसदा, राजेश्वर मुर्मू और महेश टुडू आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

बैठक का उद्देश्य आदिवासी समाज में जमीन संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना और समाज के हित में निर्णय लेना था। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने विचार रखे और समाज के हित में काम करने का संकल्प लिया। इस बैठक से आदिवासी समाज के लोगों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक करने में मदद मिलेगी। बैठक में लिए गए निर्णयों का उद्देश्य आदिवासी समाज के लोगों के हितों की रक्षा करना और उनकी समस्याओं का समाधान करना था। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने समाज के हित में काम करने का संकल्प लिया और आदिवासी समाज के लोगों के अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक करने का निर्णय लिया। इस बैठक से आदिवासी समाज के लोगों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक करने में मदद मिलेगी और समाज के हित में काम करने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।

भूमि संरक्षण विभाग की पहल से किसानों को मिली खेती और मछलीपालन का नया साधन

संथाल संध्या

पाकुड़ :- जिले में भूमि संरक्षण विभाग की पहल से किसानों को खेती और मछलीपालन का नया साधन मिला है। विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 में किए गए तालाब जीर्णोद्धार और परकोलेशन टैंक निर्माण कार्यों से किसानों को बेहतर जल उपलब्धता मिल रही है। लिट्टीपाड़ा प्रखंड के जोरडीहा पंचायत में वर्ष 2023-24 में जीर्णोद्धार कराए गए सरकारी तालाब के पानी पंचायत सदस्यों से चर्चा के दौरान पता चला कि तालाब के जीर्णोद्धार के बाद आसपास के खेतों में खरीफ के बाद रबी फसल जैसे सरसों, बैगन और मकई की खेती सफलतापूर्वक की जा रही है। इसके साथ ही तालाब में मछली पालन शुरू कर किसानों ने अपनी आय दोगुनी कर ली है।

ग्राम अम्बाजोड़ा, पंचायत पाडेरकोला, अमडापाड़ा में वर्ष 2024-25 में बनाए गए परकोलेशन टैंक से भी किसानों को लाभ मिला है। किसान फाते हांसदा ने बताया कि उन्होंने तालाब में मछली के जीरा डाले हैं और वर्षा जल संचयन के बाद रबी फसल की खेती शुरू करेंगे। यह पहल न केवल जल संरक्षण में मददगार साबित हो रही है, बल्कि किसानों के लिए मछली पालन और खेती का एक नया माध्यम बनकर आय में वृद्धि कर रही है। इस योजना से स्थानीय किसान खुशहाल हो रहे हैं और खेती-बाड़ी में नई ऊर्जा देखी जा रही है। भूमि संरक्षण विभाग की इस पहल को किसान बड़ी उम्मीद के साथ देख रहे हैं। विभाग के अधिकारी सुचित एक्का ने बताया कि इस पहल से किसानों को न केवल जल संरक्षण में मदद मिल रही है, बल्कि उनकी आय में भी वृद्धि हो रही है।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर भाजपा ने किया संगोष्ठी का आयोजन

संथाल संध्या

पाकुड़ :- लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार देर शाम भाजपा जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय की अध्यक्षता में अपर्णा मार्केट कॉम्प्लेक्स में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता पहुंचे प्रदेश उपाध्यक्ष व महगामा के पूर्व विधायक अशोक भगत ने कहा कि अहिल्याबाई का जीवन आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अशोक भगत ने कहा कि अहिल्याबाई ने साबित किया कि महिला भी एक आदर्श शासक, धर्मनिष्ठ प्रशासक और जनसेविका बन सकती है। उन्होंने कहा कि इंदौर सहित देश के कई हिस्सों में उनके नाम पर संस्थान, विश्वविद्यालय और स्मारक आज भी उनकी याद दिलाते हैं। उनका जीवन नारी शक्ति और आत्मबल की मिसाल है। जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि अहिल्याबाई को उनकी न्यायप्रियता के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने ही पुत्र को अन्याय के लिए दंडित किया। वे हर सुबह जनता दरबार लगाकर आमजन की समस्याएं सुनती थीं।

उनके शासन में पारदर्शिता और अनुशासन सर्वोपरि था।

प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी ने कहा कि अहिल्याबाई ने सेना और कर प्रणाली को संगठित किया और बिना भेदभाव के न्याय सुनिश्चित किया। शर्मिला रजक ने बताया कि काशी विश्वनाथ, सोमनाथ और द्वारका जैसे प्रमुख मंदिरों के पुनर्निर्माण में उनका बड़ा योगदान रहा। अनुग्रहित प्रसाद साह ने कहा कि वे विधवाओं के अधिकारों की पक्षधर थीं और महिलाओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं। कार्यक्रम का संचालन सपन कुमार दुबे ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, रूपेश भगत, सरिता मुर्मू, धर्मेंद्र त्रिवेदी, शबरी पाल, दीपक साह, मनोरंजन सरकार, सोहन मंडल, सुशांत घोष, तारा गुप्ता, निधि गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवा पर सख्त हुए डीसीः बोले– हर डॉक्टर अपने इलाके में रहे, मरीजों को पूरी जांच और सुविधाएं दें

संथाल संध्या

पाकुड़ :- जिले की बिगड़ती स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने के लिए उपायुक्त मनीष कुमार ने शुक्रवार को समाहरणालय में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। बैठक में डेंगू, मलेरिया, कालाजार, टीबी, संस्थागत प्रसव और टीकाकरण जैसे मुद्दों की गहन समीक्षा हुई। डीसी ने सख्त लहजे में कहा कि "स्वास्थ्य सेवा मजबूत करना सिर्फ सरकार की नहीं, हम सभी की जिम्मेदारी है।" उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। डीसी ने आरबीएसके टीम को निर्देश दिया कि स्कूलों में छात्र-छात्राओं की भागीदारी से तंबाकू और अन्य बीमारियों को लेकर जागरूकता फैलाई जाए। उन्होंने कहा कि तंबाकू चैंपियंस को चिन्हित कर उनके लिए कार्यशाला भी कराई जाए।

बैठक में मौजूद जिला यक्ष्मा पदाधिकारी को डीसी ने सख्त निर्देश दिया कि सभी टीबी मरीजों को इंसेंटिव समय पर मिले। साथ ही हर टीबी मरीज की एचआईवी जांच भी अनिवार्य रूप से करवाई जाए। डीसी ने लिट्टीपाड़ा और अमड़ापाड़ा जैसे मलेरिया प्रभावित प्रखंडों में जल्द कीटनाशक मच्छरदानी बांटने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में बीमारी की रोकथाम के लिए ये जरूरी कदम है। डीसी ने कहा कि संस्थागत प्रसव की संख्या बढ़े और सभी गर्भवती महिलाओं की कम से कम चार बार जांच हो। उन्होंने एमओआईसी को कहा कि तय लक्ष्य के अनुसार प्रसव पूर्व जांच का कार्य पूरा करें। उपायुक्त ने सभी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारियों को दो टूक कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र में ही रहकर काम करें और समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट भी सौंपें। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. के.के. सिंह, डीपीएम, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी और अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

पथरगामा आर्यभट्ट ट्यूशन सेंटर के मैट्रिक विद्यार्थियों ने लहराया सफलता का परचम

बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा :- पथरगामा स्थित आर्यभट्ट ट्यूशन सेंटर के लिए इस वर्ष का मैट्रिक परीक्षा परिणाम गौरवपूर्ण रहा है। संस्थान के सभी विद्यार्थियों ने परीक्षा में शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त कर एक बार फिर संस्थान की उत्कृष्टता को साबित किया है। विद्यार्थी आशीष कुमार ने बताया कि इस सफलता का पूरा श्रेय ट्यूशन सेंटर के संचालक संजय सर को जाता है। उन्होंने पढ़ाई के प्रत्येक विषय को बेहद सरल और सहज ढंग से समझाया और नियमित मार्गदर्शन से छात्रों का मनोबल बढ़ाया। संचालक संजय सर न केवल पढ़ाई पर ध्यान देते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, उत्तर लेखन कौशल और आत्मविश्वास बढ़ाने की भी विधियां बताते हैं।

आर्यभट्ट ट्यूशन सेंटर का रिजल्ट रिकॉर्ड लगातार सराहनीय रहा है। पिछले कई वर्षों से यहाँ से पढ़ने वाले छात्र मैट्रिक एवं इंटर दोनों परीक्षाओं में सफलता अर्जित करते आ रहे हैं। संस्थान की इस उपलब्धि पर स्थानीय लोगों ने भी खुशी जताई है और कहा है कि पथरगामा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने वाले संस्थानों की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। सफलता की इस खुशी में संचालक संजय सर ने सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। संस्थान के सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने इस सफलता का जश्न मनाया और आगे भी इसी तरह की सफलता प्राप्त करने के लिए प्रयास करने का संकल्प लिया।

स्थानीय लोगों ने कहा कि आर्यभट्ट ट्यूशन सेंटर की इस उपलब्धि से क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी और वे भी अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने वाले संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और आर्यभट्ट ट्यूशन सेंटर ने इस क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता साबित की है। संचालक संजय सर ने बताया कि संस्थान आगे भी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि संस्थान की योजना है कि विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार किया जाए और उन्हें उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद की जाए।

टिकट न मिले तो धैर्य रखें, बूथ मजबूत करें, पीएम मोदी ने बिहार के नेताओं को दिया जीत का मंत्र

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार भाजपा के नेताओं को कहा कि डबल इंजन की सरकार में हो रहे कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं। लोगों से निरंतर संपर्क में रहें। सरकार की योजनाओं को बताने के साथ-साथ उनका फीडबैक भी लेते रहें। एनडीए के सभी घटक दल ऊपर से नीचे स्तर तक समन्वय बनाकर कार्य करें। अगर टिकट न मिले तो धैर्य रखें। पीएम ने गुरुवार देर शाम पटना स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी सांसदों, विधायकों, विधान पार्षदों और प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना संबोधन पार्टी नेताओं से सवालों के जरिए किया। एक-एक कर विभिन्न विषयों पर नेताओं से सवाल पूछे, उनके जवाब सुने और फिर उस पर अपनी राय रखी। पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर जनता के फीडबैक को लेकर भी पार्टी नेताओं की राय जानी। डेढ़ घंटे तक चली बैठक में उन्होंने कहा कि आप लोग निरंतर जनता से मिलें। बिहार में विधानसभा चुनाव है इसलिए मैं लोगों से

मिलने के लिए कह रहा हूं, ऐसी बात नहीं है। जनता से लगातार मिलते रहें, ना कि सिर्फ चुनाव के दौरान। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहने की सभी को सलाह दी, ताकि इसके माध्यम से सरकार और पार्टी की बात लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सके। प्रधानमंत्री दूसरी बार भाजपा प्रदेश कार्यालय में आए। इससे पहले प्रधानमंत्री पार्टी कार्यालय में 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान उनका आगमन हुआ था।

धैर्य से मिलती है राजनीति में सफलता : पीएम मोदी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेताओं से पूछा कि राजनीति में सफलता कैसे मिलती है? इस पर कइयों ने अपनी राय रखी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सफलता के लिए सबसे जरूरी चीज है धैर्य। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के समय टिकट के लिए कुछ लोग पार्टी बदल लेते हैं। ऐसे लोगों में धैर्य का अभाव होता है। उन्हें धैर्य रखना चाहिए। पीएम ने कहा कि एनडीए को केंद्र में लगातार तीसरी बार सफलता मिली है तो इसके पीछे भी धैर्य है। जनसंघ के समय से ही लगे हुए लोगों के कारण आज हमें यह सफलता मिल रही है।

नई पीढ़ी को बताएं विपक्ष का शासनकाल : पार्टी नेताओं से गुफ्तगू के दौरान प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर हमलावर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने राजद का नाम लिए बगैर कहा कि विपक्ष का जो बिहार में शासनकाल रहा है, उसके बारे में भी राज्य की नई पीढ़ी को जरूरी बताएं।

बूथ मजबूत कर ही चुनाव जीतेंगे

प्रधानमंत्री मोदी ने बूथ तक संगठन को सशक्त करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगले चार महीने में चुनाव है, इस समय का पूरा उपयोग बूथ को मजबूत करने पर करें। बूथ से ही आप चुनाव जीतेंगे। उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद किया और सभी को बताया कि कैसे वे बूथ स्तर तक काम करते थे। पीएम ने बीजेपी नेताओं से कहा कि बूथ स्तर के पदाधिकारी वहां के लोगों से निरंतर मिलते रहें। बैठक में भाजपा के सांसद, विधायक, विधान पार्षद, प्रदेश कमेटी के पदाधिकारी और सभी मोर्चों के अध्यक्ष शामिल रहे। भाजपा प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में आयोजित बैठक में करीब 180 लोगों की बैठने की व्यवस्था थी। हालांकि, कुछ मंत्री-विधायक बिक्रमगंज की जनसभा की तैयारी में लगे थे, वे इस बैठक में शामिल नहीं हो सके।

संक्षिप्त समाचार

पिकअप की टक्कर से ऑटो सवार 2 लोगों की मौत

वैशाली में 7 लोग घायल, चौथी के छात्र ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली के बरांटी थाना क्षेत्र में पिकअप और टेंपो की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में 7 अन्य लोग घायल हुए हैं। घटना 26 मई को मुसहरी चौक के पास हुई। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तारकेश कुमार(12) को गंभीर हालत में पटना पीएमसीएच रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। तारकेश राजापाकर थाना क्षेत्र के हरपुर मुकुंदपुर बाकरपुर का रहने वाला था। वह चौथी कक्षा का छात्र था। मृतक के परिवार में दो भाई और एक बहन हैं। मृतक के चाचा ने बताया कि 26 मई को तारकेश ऑटो से चकसिकंदर से हाजीपुर जा रहा था। इसी दौरान बरांटी में तेज रफ्तार पिकअप ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में सात लोग घायल हुए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

आइडिया लैब और अटल इनक्यूबेशन सेंटर में जाएंगे बच्चे

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। देश के इंजीनियरिंग संस्थानों में बने आइडिया लैब और अटल इनक्यूबेशन सेंटर में स्कूली बच्चे जाएंगे। सीबीएसई स्कूलों को इस संबंध में निर्देश मिला है। जिले के बच्चों का इन जगहों पर एक्सपोजर विजिट कराया जाएगा। 8वीं से 12वीं कक्षा तक के बच्चों को इन जगहों पर ले जाया जाएगा। उन्हें नए प्रयोग और तकनीक से अवगत कराया जाएगा। यही नहीं इन लैब में बच्चों को काम करने का मौका भी मिलेगा। सीबीएसई ने निर्देश दिया है कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने देश के विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में (आइडिया डेवलपमेंट, इवैल्यूएशन एंड एप्लीकेशन) लैब्स की स्थापना की है। ये लैब्स विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्टेम) डोमेन में नवाचार, डिजाइन सोच और व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उन्नत सुविधाओं से लैस हैं। इसी तरह, अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी) अत्याधुनिक इनक्यूबेशन सुविधाएं हैं, जिन्हें स्टार्टअप का समर्थन करने और नवाचार और उद्यमिता के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। ये केंद्र देश भर में प्रतिष्ठित शैक्षणिक और शोध संस्थानों में स्थित हैं। छात्रों और शिक्षकों को स्टार्टअप संस्कृति, तकनीकी प्रगति, नवाचार प्रथाओं और उद्यमशीलता को समझने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं।

सीबीएसई ने जारी की 305 संस्थानों की सूची

सीबीएसई ने 305 संस्थानों की सूची जारी करते हुए सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि एनईपी 2020 के तहत सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों को इन लैब में एक्सपोजर विजिट आयोजित कराया जाए। सीबीएसई से संबद्ध स्कूल नजदीक के एआईसीटीई आइडिया लैब्स और अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी) के साथ समन्वय कर इस पहल का लाभ उठाएंगे। ग्रीष्मावकाश या अन्य समय में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए भ्रमण की व्यवस्था करेंगे। छात्रों को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों, नवाचार तकनीकों और उभरती प्रौद्योगिकियों से परिचित कराना इसका लक्ष्य है।

समस्तीपुर में सड़क हादसे में किसान की मौत

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के विद्यापति नगर थाना क्षेत्र में सड़क किनारे टहल रहे युवक को बाइक ने टक्कर मार दी। गंभीर हालत में परिजनों ने अस्पातल में एडमिट कराया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान दिलीप महतो(38) के तौर पर हुई है। घटना मलकालीपुर गांव की है। ग्रामीण बिट्टू कुमार ने बताया कि गुरुवार रात को खाना खाकर दिलीप सड़क किनारे टहल रहे थे। इस दौरान बाइक ने टक्कर मार दिया। गाड़ी की स्पीड़ अधिक थी। आनन-फानन में सीएचसी लेकर पहुंचे।

लाखों का नुकसान हुआ, सिर्फ 17, 500 रुपए मिला

गया में अग्निकांड पीड़ित ने सिस्टम पर उठाए सवाल : कहा- मुआवजे के नाम पर खानापूर्ति की गई है

गया, एजेंसी। गया जिला प्रशासन ने अग्निकांड के पीड़ित को 17,500 रुपए का चेक सौंपा है। पीड़ित ललन दुबे ने सरकारी सिस्टम पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि नुकसान 50 लाख का हुआ है। मुआवजे के नाम पर खानापूर्ति की गई है। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गुलाबबाग की है। बुधवार देर रात कबाड़ की दुकान में भीषण आग लग गई थी। आग की लपटों ने पड़ोस के दो फ्लोर के मकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। मकान मालिक ने बताया कि घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया है। पीने को पानी भी नहीं बचा है।

मैंने और बच्चों ने जो कपड़े पहने है, सिर्फ वही बचा हुआ है। आग से करीब 50 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। आगजनी की सूचना पर सीओ सुबोध कुमार भी मौके पर पहुंचे थे। नुकसान की वीडियोग्राफी कराई गई। लिस्टिंग हुई, अफसरों ने मुआयना भी किया, लेकिन जब राहत का समय आया तो मुआवजा की राशि आपदा प्रबंधन नियमावली की मोहताज हो गई।

जांच रिपोर्ट अधिकारियों को भेजा गया है

सीओ ने बताया कि जांच रिपोर्ट भेजी जाएगी। अफसरों से आदेश लिया जाएगा। पीड़ित से आवेदन मांग लिया गया है। आगे कार्रवाई होगी। नियम के अनुसार सामान के नुकसान पर अधिकतम 17500 रुपए ही मिल सकते हैं।

ज्वेलरी, कपड़े, फर्नीचर, अनाज सबकुछ जलकर राख

ललन दुबे ने बताया कि घर में खाने पीने के सामान के साथ-साथ चार एसी, सोना-चांदी के गहने, महंगे कपड़े, फर्नीचर, पानी की टंकी, खिड़कियां, बेड, पंखे, वायरिंग, कूलर, दरवाजे सब कुछ जलकर राख हो गया। आग इतनी भयावह थी कि कुछ भी नहीं बचा।

शादी के जोड़े में हुआ अंतिम संस्कार, विदाई के दौरान ट्रक ने कार को मारी थी टक्कर

आईसीयू में दूल्हा, ससुर ने दी दुल्हन को मुखाग्नि

आरा, भोजपुर, एजेंसी। आरा में विदाई कर ससुराल लौट रही दूल्हे की गाड़ी को ट्रक ने टक्कर मार दी। इलाज के दौरान दुल्हन की गुरुवार को मौत हो गई। दूल्हे की हालत गंभीर है। दुल्हन को जिस जोड़े में परिवार ने विदा किया था उसी में उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लाया गया। हाथों में मेहंदी थी। पैर में महावर था। पोस्टमॉर्टम के बाद शव ससुराल पहुंचा। रिवाज के मुताबिक मुखाग्नि पति को देनी थी, लेकिन उसकी हालत गंभीर है। परिवार ने फैसला लिया कि ससुर मुखाग्नि देंगे। इसके बाद ससुराल में ही बहू को ससुर ने मुखाग्नि दी। इस दौरान दुल्हन शादी के जोड़े में ही थी। अंतिम संस्कार में लड़की भी पूरा परिवार मौजूद था। 27 मई को ये शादी हुई थी। 28 को दुल्हन की विदाई थी। इसी दिन सुबह हादसा हुआ। गुरुवार को पटना में इलाज के दौरान दुल्हन की मौत हो गई।

भाई बोला- नहीं पता था बहन अब कभी नहीं लौटेगी : 28 मई को ये हादसा बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर हुआ था। ससुर ओमप्रकाश उर्फ बधारी यादव ने मुखाग्नि दी। दुल्हन के भाई धनजी ने बताया- 27 मई को धूमधाम से बहन की शादी हुई थी। घर की सबसे छोटी थी। शादी में हम लोगों ने अपने हैसियत से बढ़कर अरेजमेंट किया था। अगले दिन 28 मई को खुशी-खुशी उसे विदा था। मैंने खुद उसका कन्यादान किया था। किसे पता था, अब वो लौटकर घर नहीं आएगी।

कार की पीछे वाली सीट पर बैठी थी दुल्हन : दुल्हन ललिता देवी (21) शादी के बाद पहली बार पति मोनू कुमार (25) के साथ ससुराल जा रही थी। इस दौरान सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के सिकरौल गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। ट्रक ड्राइवर ने बाएं साइड से जोरदार टक्कर मारी। उसी साइड आगे दूल्हा और दुल्हन पीछे बैठी हुई थी। हादसे में दूल्हा-दुल्हन सहित 6 लोग घायल हो गए थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने दुल्हन ललिता देवी (21) को पटना रेफर कर दिया था। जहां गुरुवार को उसकी मौत हो गई। दूल्हा मोनू कुमार जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। दुल्हन जिस लिबास में विदा हुई थी, उसी लिबास में उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में कराया गया। दुल्हन चार भाई-बहन में तीसरे स्थान पर थी। पिता दूधनाथ सिंह की मौत 10 साल पहले ही मौत हो चुकी है।

दुकान में घुसकर बदमाशों ने मारी थी गोली

महुआ में व्यवसाय की हत्या पर चिराग पासवान का दौरा : पीड़ित परिवार के परिजनों से की मुलाकात

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने वैशाली के महुआ में दिवंगत गल्ला व्यवसाय विनोद चौधरी के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री की बिहार यात्रा पर बोलते हुए चिराग ने कहा कि मोदी जी लोकसभा चुनाव से पहले किए गए वादों को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्राथमिकताओं में बिहार शामिल है। बिहार में बड़ी योजनाएं लागू हो रही हैं। प्रधानमंत्री का मानना है कि देश तब तक विकसित नहीं होगा, जब तक बिहार विकसित नहीं होगा। डबल इंजन की सरकार विकास को तेज गति से आगे बढ़ा रही है। पटना एयरपोर्ट का उद्घाटन इसी का उदाहरण है।

24 मई को 3 बदमाशों ने मारी गोली

दरअसल, घटना 24 मई की है। विनोद चौधरी अपने बेटे राहुल कुमार के साथ दुकान में बैठकर हिसाब-किताब कर रहे थे। उसी दौरान एक बाइक पर

सवार तीन बदमाश दुकान में दाखिल हुए। उन्होंने पिस्टल निकालकर लूटपाट शुरू कर दी। घायल राहुल से मोबाइल छीना गया और जब विनोद चौधरी ने रुपयों देने से इनकार किया, तो एक बदमाश ने सीने में गोली मार दी। मौके पर ही विनोद चौधरी की मौत हो गई।

घायल ने एक बदमाश को पकड़

राहुल ने साहस दिखाते हुए गोली चलाने के बाद भाग रहे एक बदमाश को पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। पकड़े गए बदमाश ने बताया कि मझिया गांव के सैयक्क नामक युवक ने गोली चलाई और उसे सिर्फ बाइक चलाने के लिए बुलाया गया था।

असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कानून व्यवस्था राज्य सरकार का विषय है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार और प्रशासन को असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। एनडीए में सीट बंटवारे पर चिराग ने कहा कि यह गठबंधन की आंतरिक बात है। एनडीए के पांचों दल जल्द ही एक साथ बैठकर विधानसभा सीटों का बंटवारा तय कर लेंगे।

चिराग पासवान लड़ेंगे विधानसभा चुनाव? एलजेपी-आरवी करा रही सर्वे

हाजीपुर, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है पार्टी इसके लिए सर्वे करा रही है। किसी पार्टी के बड़े नेता चुनाव लड़ते हैं तो गठबंधन को भी फायदा होता है। चिराग पासवान पहले भी इस बात के संकेत दे चुके हैं। हाजीपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर मना नहीं किया। पटना में उन्हें सीएम बनाने की मांग वाले पोस्टर भी लगाए जा चुके हैं। लोजपा आरवी के सुप्रीमो और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान गुरुवार को हाजीपुर पहुंचे थे। क्षेत्र की जनता से मुलाकात के बाद उन्होंने मीडिया कर्मियों से बात की। जब उनसे पूछा गया कि क्या विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से यह तय किया जाता है तो वे अवश्य लड़ेंगे। अभी पार्टी इसके लिए सर्वे करा रही है। वे खुद कोई निर्णय नहीं लेंगे लेकिन पार्टी जनों का फैसला होगा तो वे पीछे नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि बड़े नेता चुनाव लड़ते हैं तो पार्टी और गठबंधन दोनों को फायदा होता है। इससे पहले चिराग पासवान ने कई मौकों पर कहा कि उनकी रुचि बिहार की राजनीति में ज्यादा है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता की भलाई और बिहार का विकास उनकी राजनीति का मुख्य मुद्दा है। लोजपा आरपी सुप्रीमो बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट अभियान भी चला रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने बिहार के सीएम नीतीश कुमार से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की और राज्य के हित के मुद्दों पर चर्चा की। पार्टी का कार्यकारिणी की बैठक में तय किया गया कि चिराग पासवान की भूमिका बड़ी होगी और दलित नेता के बदले बहुजन के नेता के रूप में उनकी छवि विकसित की जाएगी।

बिहार अल्पसंख्यक आयोग में सिख समाज को मिला प्रतिनिधित्व

किशनगंज, एजेंसी। बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने गुरुवार को कमेटी का पुनर्गठन किया। किशनगंज के सरदार लखविंदर सिंह (लक्खा) को आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। साथ ही, किशनगंज बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शिशिर कुमार दास को सदस्य बनाया गया है। दोनों नेताओं के रात में किशनगंज पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट किए। समर्थकों ने शहर में जुलूस निकाला और आतिशबाजी की। नवनियुक्त उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद सिख समाज को आयोग में प्रतिनिधित्व मिला है। वे इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएंगे। सदस्य बने शिशिर कुमार दास ने आयोग में मौजूद कमियों को दूर करने का संकल्प लिया।

गर्मी के साथ बढ़ी बिजली खपत, लोड 350 मेगावाट तक पहुंचा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। दो दिन से अधिकतम तापमान 35 डिग्री पार चल रहा है। लोग पंखा और एसी का इस्तेमाल अधिक कर रहे हैं। इससे दोपहर में बिजली का लोड बढ़ रहा है। दो दिन से जिले का बिलजी लोड 300 मेगावाट को पार कर चुका गया है। दोपहर में यह 350 मेगावाट तक पहुंच गया। इससे कई फीडरों को रोटेशन पर बिजली आपूर्ति मिली है। दोपहर और रात में करीब 100 मेगावाट बिजली की मांग बढ़ जा रही है। वर्तमान में ग्रिड से पावर सब स्टेशन से करीब 250-275 मेगावाट बिजली ही मिल पर रही है। शहर के बालूघाट, सिकंदरपुर, जीरो माइल, अहियापुर, सदातपुर, दामोदरपुर, चांदनी चौक, भगवानपुर, गोबरसही, रामदयालु, अघोरिया बाजार, लक्ष्मी चौक, दाउदपुर कोठी, न्यू पुलिस लाइन, चांदवारा, मालीघाट, बेला आदि इलाके में गुरुवार को बिजली आपूर्ति सुचारु नहीं रही। हर दो घंटा पर बिजली कटती रही। लोग परेशान रहे। कस्टमटर केयर से भी बिजली उपभोक्ताओं को सटीक जानकारी नहीं मिल रही थी। वहीं एमआईटी इलाके में गुरुवार की सुबह से ही बिजली की ट्रिपिंग हो रही थी। दोपहर में ट्री-कटिंग के नाम पर बिजली बंद कर दी गयी।

दोपहर 12 से 02 बजे तक नहीं थी बिजली

दाउदपुर कोठी के दीपक कुमार सिंह, उमेश रंजन श्रीवास्तव, प्रशांत कुमार आदि ने बताया कि दोपहर 12 बजे से दो बजे तक बिजली नहीं थी। इस दौरान घर में भी उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। वहीं मालीघाट के मंजय रस्तोगी, सुनीता देवी, खादी भंडार से आशुतोष कुमार और बावन बीघा के अभिषेक कुमार ने बताया कि बिजली आवाजाही से अधिक परेशानी हुई। इन लोगों ने बताया कि बीते कुछ दिनों से बिजली आपूर्ति व्यवस्था खराब हो गयी है। कस्टमर केयर भी सही तरीके से जानकारी उपलब्ध नहीं करा रही है। ग्रामीण इलाकों की स्थिति और खराब ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति की स्थिति और खराब है। यहां एक बार बिजली कटने पर दो से चार घंटे बाद ही आ पाती है। मरवन के मो. रईस, पारू के संवेदक मनीष कुमार, देवरिया के पंकज साहू ने बताया कि दिन में बिजली कटने पर कुछ घंटों में आने की संभावना रहती है। पर रात में अगर कटी तो अगली सुबह ही आती है। इसके अलावा कुढ़नी, सरैया, मुशहरी, बोचहां, औराई, कटरा, कांटी, साहेबगंज प्रखंड इलाके में भी बिजली आपूर्ति सही नहीं होने से गर्मी में बिजली उपभोक्ता परेशान है।

न्यूजीलैंड के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का 77 वर्ष की आयु में निधन

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का गुरुवार को क्राइस्टचर्च में 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ट्रिस्ट के निधन की पुष्टि न्यूजीलैंड क्रिकेट ने की है। ट्रिस्ट का न्यूजीलैंड को साल 2000 की चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में अहम रोल रहा है। ये आईसीसी ट्रॉफी कीवी टीम ने ट्रिस्ट की कोचिंग में ही जीती थी। ट्रिस्ट कैंटरबरी के पूर्व तेज गेंदबाज थे, जिन्होंने 1968 से 1982 तक 14 साल के खेल करियर के दौरान 24 प्रथम श्रेणी मैच और छह लिस्ट ए मैच खेले। ट्रिस्ट ने 1999 से 2001 तक दो साल न्यूजीलैंड की पुरुष टीम को कोचिंग दी और 15 अक्टूबर 2000 को नैरोबी में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी जिताई, जो टीम का एकमात्र वैश्विक व्हाइट बॉल खिताब है। फाइनल में न्यूजीलैंड ने क्रिस केर्न्स के नाबाद शतक की मदद से भारत को चार विकेट से हराया था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बयान में कहा, पूर्व ब्लैककैप्स कोच डेविड ट्रिस्ट के निधन की पुष्टि करते हुए एनजीसी को गहरा दुख हुआ है, जिनका कल क्राइस्टचर्च में 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। कैंटरबरी और न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डेविड ने 1999 से 2001 तक ब्लैककैप्स को कोचिंग दी, जिस दौरान उन्होंने नैरोबी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। एनजीसी डेविड के परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। अपने प्रथम श्रेणी के करियर में ट्रिस्ट ने 57 विकेट लिए और 1972 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में विक्टोरिया के खिलाफ न्यूजीलैंड के लिए खेले। न्यूजीलैंड की भूमिका छोड़ने के बाद, ट्रिस्ट क्राइस्टचर्च के ओल्ड कॉलेजियंस क्रिकेट क्लब के कोचिंग डायरेक्टर बन गए और साथ ही भारत और इंग्लैंड में भी काम किया। इससे पहले उन्होंने 1989-1993 के दौरान कैंटरबरी के साथ और विदेशों में दक्षिण अफ्रीका, नीदरलैंड और हांगकांग में सफलता हासिल की थी। उन्होंने 1989 में ईस्टर्न प्रोविंस को दक्षिण अफ्रीका का खिताब दिलाया और नीदरलैंड को कोचिंग दी, फिर स्वदेश लौटकर कैंटरबरी और ऑकलैंड को कोचिंग दी।

आरसीबी इन आईपीएल फाईनलः

क्या आरसीबी फिर बनेगा आईपीएल फाइनल का चोकर?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल इतिहास की सबसे चर्चित और इमोशनल टीमों में शुमार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू एक बार फिर खिताब के मुहाने पर खड़ी है. 2009, 2011 और 2016 में फाइनल तक का सफर तय करने के बावजूद यह टीम खिताब से चूक गई थी.

आईपीएल की शुरुआत के बाद से अब तक एक पीढ़ी बदल गई है, लेकिन आरसीबी टीम आज तक आईपीएल खिताब नहीं जीत पाई है. इस बार आईपीएल में जिस तरह से खेली है, उसने कई रिकॉर्ड भी बनाए हैं. मसलन वो 18 सालों के इतिहास में पहली ऐसी टीम बनी, जिसने अपने सभी होम अवे (दूसरी वेन्यू) गेम जीते. यानी ई साला कप नामदे जिसका मतलब है कि इस साल कप हमारा है वाली बात सच साबित हो सकती है. ई साला कप नामदे कन्नड़ भाषा का स्लोगन है, जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फैन्स बीच बेहद पॉपुलर है. पंजाब को 29 मई को हुए क्वालिफायर 1 में पटखनी देने के बाद आरसीबी ने आईपीएल 2025 फाइनल का टिकट सिक्योर कर लिया है. ऐसे में आरसीबी की उम्मीदें एक बार फिर आसमान पर हैं, इस बार यह टीम नए कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में इतिहास रचने की दहलीज पर है. पर, आरसीबी की टीम के साथ इतिहास के पन्नों में तमाम किंतु जुड़े हुए हैं. ये पुराने पन्ने आरसीबी को आईपीएल फाइनल में मिली हार की याद दिला रहे हैं. क्या इस बार कप्तान पाटीदार की अगुवाई में आरसीबी फाइनल के चोकर के टैग को मिटा पाएगी? या फिर ये फाइनल भी बीते फाइनल्स की तरह होगा, यह देखने वाली बात होगी. क्योंकि आईपीएल फाइनल में जाकर यह टीम चोकर बन जाती है. टीम के डरावने रिकॉर्ड इस बात की बानगी हैं. यानी एक बात साफ है कि आरसीबी कई बार आईपीएल चैम्पियनबनने की कगार पर पहुंची है, लेकिन फाइनल फ्रंटियर उनसे क्रॉस नहीं हुआ है.

ऐसे में यह सवाल होगा कि क्या इस बार यह टीम चोकर (चोकर का मतलब क्रिकेट के लिहास से उस टीम के लिए होता है जो अहम मौकों पर, खासकर बड़े मुकाबलों में या फाइनल में जीत के बेहद करीब पहुंचकर भी हार जाता है) का टैग हटा पाएगी या नहीं...

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिपः

अविनाश ने रचा इतिहास 36 साल बाद 3000 मीटर स्टीपलचेज में गोल्ड दिलाया, मेडल टैली में भारत दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय एथलीट अविनाश साबले ने गुरुवार को एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में मेंस 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट में गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 8:20.92 सेकंड का समय निकालकर 36 सालों बाद भारत को इस इवेंट में गोल्ड मेडल दिलाया। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 साउथ कोरिया के गुमी में जारी है। भारत ने पिछली बार 1989 में इस इवेंट में गोल्ड जीता था, तब दीना राम ने ये कारनामा किया था। वहीं 1975 में हरबेल सिंह स्टीपलचेज में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। साउथ कोरिया के गुमी में जारी इस चैंपियनशिप में जीत के बाद साबले ने कहा, मुझे गोल्ड मेडल जीतने का पूरा भरोसा था, क्योंकि मैं इस क्षेत्र में बेस्ट था। ज्योति ने भी गोल्ड जीता ज्योति याराजी ने 100 मीटर के हर्डल रेस को महज 12.96 सेकंड में पूरा करके गोल्ड मेडल जीता। ज्योति का पिछला रिकॉर्ड 12.99 सेकंड का था। भारत ने अब तक 14 मेडल जीते भारत 26वें एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अब तक अलग-अलग कॉम्पटीशन में 14 मेडल जीत चुका है। पॉइंट्स टेबल में देश दूसरे पायदान पर हैं। भारत ने 5 गोल्ड, 6 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज जीते हैं। इससे पहले 2023 सीजन में भी भारत ने 4×400 मीटर मिक्स्ड रिले में गोल्ड मेडल जीता था।

आरसीबी से हार के बाद खिलाड़ियों को खुद पर संदेह करने से बचना चाहिए :गेंदबाजी कोच

मुल्लांपुर, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के क्वालीफायर एक में खराब प्रदर्शन के बावजूद 11 साल में पहली बार फाइनल में पहुंचने की उम्मीद लगाए पंजाब किंग्स के गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी खिताबी मुकाबले में पहुंचने के अपने अगले प्रयास से पहले 'खुद पर संदेह करने से बचें।

पंजाब किंग्स ने अपने आक्रामक खेल के साथ लीग चरण में शीर्ष स्थान हासिल किया लेकिन बृहस्पतिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उसे आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। टीम के पास रविवार को दूसरा क्वालीफायर जीतकर फाइनल में जगह पक्की करने का एक और मौका

मिलेगा। होप्स ने इस करारी शिकस्त के बाद कहा, 'हमारे बल्लेबाजों के लिए सबसे बुरी यह हो सकती है कि वे खुद पर संदेह करने लगे। उन्होंने कहा, 'हमने शुरुआती ओवर में अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन उसके बाद लगातार विकेट गंवाते रहे। यह जरूरी है कि हम इस प्रदर्शन को पीछे छोड़कर आगे बढ़े। हमें कल (शुक्रवार) यात्रा करनी है और रविवार को एक और मैच खेलना है और अब हम इसे कठिन तरीके से करने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि हम मंगलवार रात (फाइनल) को फिर से आरसीबी से भिड़ेंगे। तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों ने जरूरत से ज्यादा आक्रामक रवैया अपनाया जिससे टीम 101 रन पर आउट हो गयी। चोट से वापसी कर रहे जोश हेजलवुड और लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने तीन-तीन विकेट लेकर पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया। होप्स ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो हमने बल्ले से बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन अब हमारे पास फाइनल में पहुंचने का एक और मौका है। हमने दूसरा मौका पाने का अधिकार हासिल करने के लिए दो महीने से कुछ अधिक समय तक काम किया है और उम्मीद है कि हम इस मौके का फायदा उठाएंगे। उन्होंने कहा कि टीम को अहमदाबाद की पिच रास आएगी।

होप्स ने कहा, 'ऐतिहासिक रूप से यह (अहमदाबाद) बल्लेबाजी के लिए एक बहुत अच्छी पिच है और हम जानते हैं कि हमें काफी मेहनत करनी होगी और काफी तेजी से रन बनाने होंगे।

आईपीएल2025 के फाइनल में पहुचकर बोले आरसीबी के सुयश शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के क्वालीफायर 1 मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने न्यू चंडीगढ़ में पंजाब किंग्स पर 8 विकेट से धमाकेदार जीत दर्ज करते हुए 2016 के बाद पहली बार फाइनल में जगह बनाई। जीत के मुख्य कारकों में एक लेग स्पिनर सुयश शर्मा का शानदार प्रदर्शन था। उन्होंने 17 रन देकर 3 विकेट लिए जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। मैच के बाद सुयश ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोचों के एक मंत्र को दिया जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें लगातार कोचों का समर्थन मिला और उन्हें स्टंप्स पर हिट करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा गया। सुयश ने मैच के बाद कहा, कोच ने मुझे सिर्फ एक बात बताई है- मुझे स्टंप्स पर हिट करना है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं गुगली, लेगब्रेक या फ्लिपर फेंकता हूं। इसलिए मैं स्टंप्स पर ज़्यादा से ज़्यादा गेंदें डालने की कोशिश करता हूं। पिच से कुछ मदद मिल रही थी। मुझे लगता है कि इसीलिए मेरी गुगली को समझना आसान नहीं था। जब पंजाब पहले से ही 5 विकेट पर 59 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था, तब आक्रमण पर आते हुए सुयश ने मजबूत शुरुआत को जारी रखी। उनकी दूसरी गेंद एक अच्छी तरह से निष्पादित गुगली, शशांक सिंह को चकमा दे गई, जो लाइन के पार एक बड़ा स्विंग करने से चूक गए। इससे पहले उन्होंने स्टोइनिस को बोल्ड किया था। डेब्यू करने वाले मुशीर खान को पंजाब किंग्स के इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में क्रीज पर भेजा गया। लेकिन युवा खिलाड़ी का पहला आईपीएल मैच निराशाजनक रहा और सुयश ने उन्हें एक और गुगली पर सिर्फ तीन गेंदों में उन्हें एलबीडब्ल्यूआउट कर दिया।

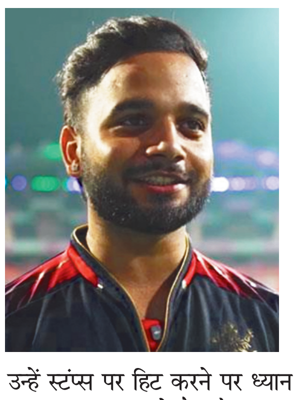

नॉर्वे शतरंजः

गुकेश ने कारुआना को हराया, चौथे राउंड के बाद मैग्नस कार्लसन सबसे आगे

स्टावेंजर, एजेंसी। विश्व के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने भारतीय नंबर 2 अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ अंतिम गेम में शानदार जीत के साथ अपनी क्लास दिखाई। पिछले दो राउंड में दो आर्मागेडन गेम हारने वाले नॉर्वेजियन सुपरस्टार ने घरेलू मैदान पर इस जीत के साथ एकल बढ़त बना ली।

विश्व चैंपियन डोमाराजू गुकेश और विश्व नंबर 3 फैबियानो कारुआना के बीच बाजी में, अमेरिकी लगभग पूरे गेम में आगे चल रहे थे, उनके पास जीतने के काफी मौके थे। हालांकि, गुकेश के शानदार रक्षात्मक कौशल के कारण वे अपने लाभ को भुना नहीं सके। इसके बाद गुकेश ने आर्मागेडन गेम को आसानी से जीत लिया। इससे पहले, विश्व चैंपियन गुकेश ने तीसरे राउंड में विश्व नंबर 2 हिकारू नाकामुरा को हराया, और शानदार प्रदर्शन के साथ अपने खिताब की दावेदारी को मजबूत किया। पहले दो राउंड में दो हार के बाद भारतीय प्रतिभा के लिए यह जीत इससे बेहतर पल नहीं हो सकती थी। नॉर्वे शतरंज के पहले दिन गुकेश को दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। फिर वह तनाव भरे अखिल भारतीय मुकाबले में अर्जुन एरिगैसी से हार गए, लेकिन विश्व चैंपियन ने तीसरे राउंड में नाकामुरा पर जीत और कारुआना के खिलाफ चौथे राउंड में जीत के साथ वापसी की।

चीनी स्टार वेई यी के खिलाफ विश्व नंबर 2 हिकारू नाकामुरा के बीच मुकाबला उनके क्लासिकल हिस्से में एक कड़ा, रोमांचक ड्रॉ रहा। वेई यी ने आखिरकार आर्मागेडन टाईब्रेक में जीत हासिल की, जिससे सभी महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक हासिल हुए। नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में एक और एक्शन से भरपूर दिन देखने को मिला, जिसमें नवागंतुक सरसादत खादेमालशारिह ने टिंगजी लेई के खिलाफ निर्णायक जीत दर्ज की। यह नॉर्वे शतरंज में उनकी पहली जीत थी, जो एक रोमांचक आक्रामक प्रदर्शन के माध्यम से हासिल की गई। शेष दो गेम, अन्ना मुजीचुक बनाम वैशाली रमेशबाबू, और विश्व चैंपियन वेनजुन जू बनाम हम्पी कोनेरू, आर्मगेडन में तय किए गए, जो महिलाओं के क्षेत्र की जबरदस्त प्रतिस्पर्धी प्रकृति को उजागर करता है, जहां हर अंक मायने रखता है।वैशाली रमेशबाबू और वेनजुन जू ने अपने आर्मगेडन मैचों में जीत हासिल की, जिससे महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक अर्जित किए। नॉर्वे शतरंज दुनिया के प्रमुख शतरंज टूर्नामेंटों में से एक है, जो एक विशिष्ट 6-खिलाड़ी डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में शीर्ष पुरुष और महिला खिलाड़ियों को एक साथ लाता है।

3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी ने ऐसे दिया पछाड़

हार गए वैभव सूर्यवंशी!

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के दौरान वैभव सूर्यवंशी का नाम छाया रहा है. छाए भी कैसे नहीं, इतनी विस्फोटक बैटिंग जो की है. सिर्फ 14 साल की उम्र में वो किया है, जो बड़े -बड़े खिलाड़ी नहीं कर सके हैं. राजस्थान रॉयल्स भले ही आईपीएल 2025 के ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई मगर वैभव सूर्यवंशी के लिए ये सीजन विन-विन वाला रहा है.

बहरहाल, हम यहां बात कर रहे उन्हें मिली हार. वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ 3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी ने हरा दिया है. अब आप सोच रहे होंगे कि वैभव को हार मिली तो किस चीज में? और किसने उन्हें हराया? आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का सफर थमने के बाद वैभव सूर्यवंशी का सेलेक्शन अंडर 19 टीम में हुआ है. भारत की अंडर 19 टीम इंग्लैंड दौरा 24 जून से शुरू होने वाला है. जिसका हिस्सा वैभव सूर्यवंशी भी हैं. इंग्लैंड जाने से पहले इंडिया अंडर 19 टीम का कैंप बेंगलुरु में लगा है.

3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी से हारे वैभव सूर्यवंशी!

अब आते हैं वैभव सूर्यवंशी को मिली हार पर. जिस मामले में 3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी से हार का सामना करना है, उसका ताल्लुक आईपीएल 2025 के प्रदर्शन से ही जुड़ा है. दरअसल, एक वक्त वैभव सूर्यवंशी का स्ट्राइक रेट आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा था.

लेकिन, ग्रुप स्टेज के मुकाबले खत्म होने के बाद हाईएस्ट स्ट्राइक रेट की फाइनल लिस्टिंग में वैभव सूर्यवंशी पिछड़ गए. उन्हें 3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी उरविल पटेल ने पछाड़ दिया.

वैभव का स्ट्राइक रेट- 206.55, उरविल का 212.50 का

राजस्थान रॉयल्स से खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी का स्ट्राइक रेट अ 2025 में खेले 7 मैचों में 206.55 का रहा, वहीं सिर्फ 3 मैच खेलने वाले सीएसके के उरविल पटेल ने 212.50 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए. इस तरह उरविल पटेल आईपीएल 2025 में सर्वाधिक स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज भी रहे. वहीं वैभव को नंबर 2 पर रहना पड़ा.

इंडिया-इंग्लैंडः

समय से पहले इंग्लैंड पहुंचेगा भारत का सबसे अनुभवी बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम में सबसे सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल 6 जून से नॉर्थम्पटन में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए के लिए दूसरा अभ्यास मैच खेलेंगे। राहुल सोमवार को इंग्लैंड रवाना होंगे। 18 सदस्यीय टेस्ट टीम के सदस्य राहुल ने चयनकर्ताओं को सूचित किया कि वह अभ्यास मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि उनकी आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स क्वालिफायर के लिए क्वालिफाई करने में विफल रही थी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, वह सोमवार को फ्लाइट लेंगे और इंडिया ए टीम के साथ दूसरा अभ्यास मैच खेलेंगे। चूंकि वह सीनियर टीम का हिस्सा हैं, जो सीरीज में पांच टेस्ट मैच खेलेगी, इसलिए इन मैचों से उन्हें गेम टाइम और मैच प्रैक्टिस मिलेगा।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 238 रन से रौंदा

बर्मिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के नए कप्तान के रूप में हैरी ब्रूक का कार्यकाल एजबेस्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय मैच में 238 रनों की बड़ी जीत के साथ शुरू हुआ। इंग्लैंड के शुरुआती 7 बल्लेबाजों ने 35 या उससे अधिक रन बनाए। एकदिवसीय मैचों में पहली बार हुआ था जब शुरुआती सात बल्लेबाजों ने 35 या उससे अधिक रन बनाए। ब्रूक उन चार खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने अर्धशतक जड़ा। इंग्लैंड ने आठ विकेट पर 400 रन बनाने के बाद वेस्टइंडीज को 27वें ओवर में 162 रन पर आउट कर दिया।

मध्यम गति के गेंदबाज साकिब महमूद (32 रन पर तीन विकेट) ने शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया जबकि तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन (22 रन पर तीन विकेट) ने पुछल्ले बल्लेबाजों को चलता किया। इंग्लैंड के पास रविवार को कार्डिफ में जीत के साथ सितंबर 2023 के बाद से पहली बार एकदिवसीय द्विपक्षीय श्रृंखला को अपने नाम करने का मौका होगा। इस श्रृंखला का तीसरा और आखिरी मैच मंगलवार को ओवल में होगा।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने तेज गेंदबाजों के लिए माकूल परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया लेकिन उनके गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन से घरेलू टीम ने शुरुआत में ही दबदबा बना लिया। पहली बार एक साथ पारी का आगाज कर रहे बेन डकेट (60) और जैमी स्मिथ (37) सात ओवर में 64 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड को तेज शुरुआत दिलाई। जो रूट ने 57 जबकि ब्रूक ने 58 रन का योगदान दिया। टीम की रनगति ने हालांकि उस समय उड़ान भरी जब बारबडोस में जन्में जैकब बेथल ने 53 गेंद में आठ चौके और पांच छक्के की मदद से 82 रन की पारी खेली।

इंडियन प्रीमियर लीग से यहां लौटे बेथल ने विल जैक्स (24 गेंद में 39 रन) के साथ छठे विकेट के लिए 44 गेंद में 98 रन की विस्फोटक साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाये। टीम 12वें ओवर में 66 रन पर चार विकेट गवांकर मैच से लगभग बाहर हो चुकी थी। सबसे निचले 11वें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए सिल्स नाबाद 29 रन के साथ टीम के सर्वोच्च स्कोरर रहे। होप ने 25 और केसी कार्टी ने 22 रन का योगदान दिया।

हैरी ब्रूक ने 4000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए

बर्मिंघम, एजेंसी। हैरी ब्रूक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और अपने उभरते करियर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। 26 वर्षीय ब्रूक ने बर्मिंघम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे के दौरान 4,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए और सभी प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए 49वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। ब्रूक ने मैच में 45 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 58 रनों की पारी खेली जिससे इंग्लैंड को व्हाइट-बॉल कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में शानदार जीत हासिल करने में मदद मिली। उनके प्रदर्शन ने उनकी नेतृत्व क्षमता और एक भरोसेमंद मध्य-क्रम बल्लेबाज के रूप में उनके महत्व को रेखांकित किया।

स्त्री के अभिनेता अभिषेक बनर्जी की नई फिल्म स्टोलेन का ऐलान

सामने आया टीजर, 52 सेकंड में दिखा सस्पेंस और थ्रिलर

अभिषेक बनर्जी एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। सस्पेंस थ्रिलर से भरपूर इस फिल्म में अभिषेक अपनी पिछली फिल्मों से अलग अवतार में नजर आएंगे। 'स्त्री में हंसाने वाले अभिषेक बनर्जी इस बार किडनैपिंग से जुड़ी कहानी 'स्टोलेन लेकर आए हैं। फिल्म का टीजर और उसकी रिलीज डेट जारी कर दी गई है। 52 सेकंड के इस टीजर की शुरूआत एक वाइस ओवर के साथ होती है। इस वाइस ओवर में कहा जाता है कि इस क्षेत्र में घनों सायो है, किसी कारण से दाता नाराज है। हरियाणवी भाषा का टच लिए ये वाइस ओवर कहता है कि इस एरिया में कोई श्राप है। भगवान किसी कारण से नाराज है। एक मिनट से भी कम के टीजर में एक्शन और खूनखराबा दिखाया गया है। टीजर में फिल्म के मुख्य कलाकार अभिषेक बनर्जी खून से लथपथ अधमरी हालत में नजर आते हैं। करण तेजपाल द्वारा निर्देशित 'स्टोलेन आजकल की सोच वाले दो भाइयों की कहानी है। जो एक गांव के रेलवे स्टेशन पर एक गरीब मां के बच्चे का अपहरण होते देखते हैं। इसके बाद वो उनकी मदद करने का प्रयास करते हैं। इसके बाद कैसे कहानी मोड़ लेती है और उनकी जान जोखिम में पड़ जाती है, ये फिल्म में देखने को मिलेगा। 'स्टोलेन 4 जून को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। फिल्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहना मिली है। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में दमदार डेब्यू के साथ 'स्टोलन को कई फिल्म फेस्टिवल में ऑडियंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म ने दुनियाभर के कई फिल्म फेस्टिवल्स में शानदार प्रदर्शन किया है और कई पुरुस्कार भी हासिल किए हैं। भारत में इस फिल्म का प्रीमियर जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में हुआ और बाद में इसे 28वें केरल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया। करण तेजपाल द्वारा निर्देशि इस फिल्म में अभिषेक बनर्जी के अलावा हरीश खन्ना, मिया मैल्जर, साहिदुर्रहमान और शुभम समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'स्टोलेन से अनुराग कश्यप, किरण राव, निखिल आडवाणी और विक्रमादित्य मोटवानी भी एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में जुड़े हैं।

ठग लाइफ का दूसरा सिंगल शुगर बेबी हुआ रिलीज़

ए.आर. रहमान की धुन और त्रिशा कृष्णन का धमाकेदार डांस

भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन की आगामी फिल्म 'ठग लाइफ ने एक बार फिर धूम मचा दी है। फिल्म के दूसरे सिंगल 'शुगर बेबी को रिलीज़ कर दिया गया है और यह गाना पहले ही अपनी लय, जोश और त्रिशा कृष्णन के शानदार डांस मूव्स के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। गाने को ए.आर. रहमान ने संगीतबद्ध किया है, और यह एक उच्च ऊर्जा वाले, चुलबुले और संक्रामक ट्रैक के रूप में सामने आया है। गाने का आकर्षण इसकी बीट्स और ऊर्जा में है, जो दर्शकों को नाचने पर मजबूर कर देती है। त्रिशा कृष्णन की स्क्रीन प्रेजेंस ने गाने में और भी रंग भर दिए हैं। उनकी लाजवाब डांस परफॉर्मेंस और आत्मविश्वास ने गाने को और भी खास बना दिया है, और उनकी हर एक मूवमेंट में सिज़लिंग एनर्जी देखने को मिलती है। 'शुगर बेबी गाने का मिज़ाज काफी अलग है। यह केवल ठग लाइफ की कहानी नहीं, बल्कि इसकी मौज-मस्ती और जोश को भी पूरी तरह से दर्शाता है। इस गाने में त्रिशा की ऊर्जा ने इसे एक नया आयाम दिया है, और एक बार फिर उन्होंने यह साबित किया है कि वह न केवल एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं, बल्कि एक शानदार डांसर भी हैं। गाने के हर फ्रेम में वह अपनी पावरफुल पर्सनैलिटी के साथ चमकती नजर आ रही हैं। जहां एक ओर ए.आर. रहमान का संगीत गाने की धड़कन को जीवित रखता है, वहीं गाने के स्वर भी प्रभावित करने वाले हैं। तमिल संस्करण में एलेक्जेंड्रा जॉय, शुबा, और सरथ संतोष की आवाज़ें गाने में जान डालती हैं, वहीं हिंदी संस्करण में निखिता गांधी, शुबा और शाश्वत सिंह की आवाज़ें एक महानगरीय और ट्रेंडी एनर्जी को जोड़ती हैं। दोनों संस्करणों में गाने का आकर्षण, उर्जा और रिदम एक समान है, जो इसे अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाने में सक्षम बनाता है। फिल्म 'ठग लाइफ की कहानी में कमल हासन, त्रिशा कृष्णन, सिलंबरासन टीआर, अशोक सेलवन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, जोजू जॉर्ज, अली फजल, सान्या मल्होत्रा, और रोहित सराफ जैसे कई बेहतरीन कलाकारों की शानदार भूमिकाएं हैं। फिल्म का निर्देशन मणि रत्नम और संगीत ए.आर. रहमान द्वारा दिया गया है, जो इसे और भी खास बनाता है। कमल हासन ने फिल्म में रंगाराया शक्तिवेल नायकर की भूमिका निभाई है, और यह किरदार उनके फैंस के लिए किसी रोमांच से कम नहीं होगा। 'ठग लाइफ का निर्माण राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल और मद्रास टॉकीज द्वारा किया गया है, और यह फिल्म 5 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्सुकता पहले से ही बढ़ गई है, और अब यह गाना और उसकी धूम इसे और भी खास बना रहा है। फिल्म के ट्रेलर और गाने से मिली शुरुआत से यह साफ है कि यह एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव होने वाला है। कमल हासन और मणि रत्नम के संग ए.आर. रहमान का संगीत और त्रिशा कृष्णन का जबरदस्त डांस, दर्शकों को एक अविस्मरणीय यात्रा पर ले जाने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में अपने प्रभाव से धमाल मचाने वाली है।

गीता बसरा ने बताया, क्यों बनाई बॉलीवुड से दूरी, अभी तक है ये मलाल

अभिनेत्री गीता बसरा ने फिल्म इंडस्ट्री से दूर जाने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बॉलीवुड से दूरी बनाने के पीछे क्या वजह थी। अपने फिल्मी करियर पर रोशनी डालते हुए गीता बसरा ने बॉलीवुड में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में अपने सामने आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें सपोर्ट नहीं मिला, जिस वजह से चार बड़ी फिल्में उनके हाथ से निकल गई। उन्होंने बताया कि पति, क्रिकेटर हरभजन सिंह से मिलने के बाद इंडस्ट्री की उनको लेकर धारणाएं बदल गईं, जिस वजह से कई फिल्में उनके हाथ से निकल गईं। फिल्म निर्माताओं ने मन में यह विचार कर लिया कि अब वह शादी करने जा रही हैं और उन्हें कई प्रोजेक्ट से दूर करना शुरू कर दिया था। गीता से पूछा गया कि जब उनका करियर आगे की ओर बढ़ रहा था, तब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से दूर जाने का फैसला क्यों लिया, तो गीता बसरा ने बताया कि जब वह हरभजन से मिलीं, तब उन्होंने अपना करियर शुरू ही किया था। बसरा ने बताया, जब मैं भज्जी से मिली, तब मैंने अपना करियर शुरू ही किया था। मैं इंडस्ट्री में नई थी। उस समय लोगों की मानसिकता अलग थी- आप किसी व्यक्ति के साथ सार्वजनिक रूप से दिख जाएं तो अफवाहें फैलने लगती थीं। यह सोच केवल दर्शकों तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि निर्माताओं, निर्देशकों और अभिनेताओं की भी ऐसी सोच थी। मेरी भज्जी से मुलाकात हुई और इसके बाद मेरे हाथ से चार फिल्में केवल इसलिए निकल गईं क्योंकि लोगों को लगा कि मैं शादी करने जा रही हूं। इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था, जिस वजह से मैं लोगों को समझा भी नहीं सकती थी। गीता ने राहत भरी सांस लेते हुए बताया, शुक्र है कि समय बदल चुका है। आज, कोई भी परवाह नहीं करता कि आप शादीशुदा हैं या आपके बच्चे हैं। जो मायने रखता है वह है स्क्रीन पर आपका काम। जब गीता के पति और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह से पूछा गया कि उन्होंने कभी गीता बसरा को शादी के बाद फिल्मों में वापसी के लिए प्रोत्साहित किया, तो क्रिकेटर ने बताया कि यह फैसला पूरी तरह से उनका था। उन्होंने कभी भी उन पर कोई बंदिश नहीं लगाई और लाइमलाइट से दूर रहने के उनके फैसले का सम्मान किया। हरभजन ने कहा, जब भी उसे जीवन में कोई विकल्प चुनना पड़ा, मैंने हमेशा उसका साथ दिया और उसका समर्थन किया। लेकिन, सब कुछ भगवान की योजना के अनुसार होता है - हम कब, कहां और कितना कर सकते हैं, यह सब भगवान पर निर्भर करता है। मेरा काम उसे सपोर्ट और प्रोत्साहित करना है। गीता बसरा कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्हें 'दिल दिया है, 'द ट्रेन, 'जिला गाजियाबाद जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए पहचान मिली। साल 2016 में वह पंजाबी फिल्म 'लॉक में नजर आई थीं।

बॉक्स ऑफिस पर भूल चूक माफ की कमाई में आया उछाल, केसरी वीर की हालत पतली

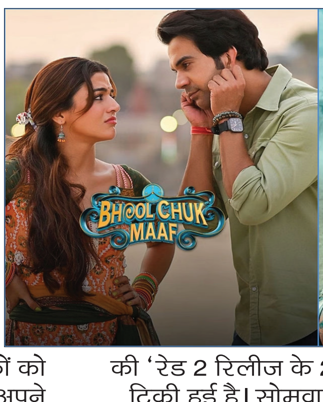

भूल चूक माफ से लेकर केसरी वीर और मिशन इम्पॉसिबल 8 तक सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में लगी हुई हैं। हालांकि, इनमें से कोई भी फिल्म दर्शकों को उस हिसाब से अपनी ओर खींचने में सफल नहीं हो पा रही है। जानते हैं मंगलवार को कैसा रहा इन फिल्मों हाल। इस शुक्रवार थिएटर्स में रिलीज हुई कॉमेडी-फैमिली ड्रामा फिल्म 'भूल चूक माफ से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, फिल्म की शुरूआत बॉक्स ऑफिस पर उतनी अच्छी नहीं रही। लेकिन रविवार को फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिला। जबकि अब वीक डेज में भी फिल्म ठीक-ठाक कमाई कर रही है। सोमवार को 4.5 करोड़ की कमाई करने वाली भूल चूक माफ की मंगलवार की कमाई में उछाल देखने को मिली। पांचवें दिन फिल्म ने 4.79 करोड़ की कमाई की। इसके साथ राजकुमार राव की फिल्म ने पांच दिनों में कुल 37.29 करोड़ का कारोबार कर लिया है। सोमनाथ मंदिर पर हमले और उसकी रक्षा करने की कहानी दिखाने वाली फिल्म 'केसरी वीर पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती दिख रही है। सिर्फ 25 लाख से अपनी शुरुआत करने वाली 'केसरी वीर की कमाई में कोई सुधार होते नहीं दिख रहा है। सोमवार को 18 लाख की कमाई करने के बाद केसरी वीर की मंगलवार को कमाई और घट गई और फिल्म सिर्फ 15 लाख रुपए का कारोबार कर पाई। इस तरह से पांच दिनों में फिल्म कुल 1.23 करोड़ का कारोबार कर पाई है। इन नई रिलीज फिल्मों के बीच पिछले 11 दिनों से टिकी टॉम क्रूज की 'मिशन इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग अभी भी दर्शकों को अपनी ओर खींच रही है। फिल्म ने मंगलवार को अपने 11वें दिन 2.25 करोड़ रुपए की कमाई की। इससे पहले सोमवार को फिल्म ने 2.50 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। इस तरह से 11 दिनों में फिल्म अब तक 77.10 करोड़ रुपए जुटा चुकी है। अजय देवगन-रितेश देशमुख की 'रेड 2 रिलीज के 27 दिन बाद भी बॉक्स ऑफि पर टिकी हुई है। सोमवार को 75 लाख की कमाई करने वाली रेड 2 की मंगलवार की कमाई में उछाल दर्ज की गई। 27वें दिन मंगलवार को फिल्म 85 लाख रुपए की कमाई। इसके साथ फिल्म की अब तक की कुल कमाई 163.70 करोड़ रुपए हो गई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक :-जेम्स मरांडी, प्रधान संपादक- माइकल मरांडी, कोटालपोखर जिला साहिबगंज, पिनकोड -816105 से प्रकाशित
संथाल संध्या डिजिटल संध्या दैनिक हिंदी न्यूज़पेपर, संपर्क नंबर:- 9800993294,9334344989, Email: santhalsandhya@gmail.com